अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 213 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 28 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

पीएम मोदी से मिलीं ममता बनर्जी, कई मुद्दों पर हुई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। साथ ही साथ ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोविड-19 वैक्सीन की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के हिसाब से हमें ज्यादा व्यक्ति मिले। इसके अलावा ममता बनर्जी ने कहा कि हमने बंगाल राज्य का नाम बदलने पर भी चर्चा की है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन दिनों दिल्ली दौरे पर हैं। अपने दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। प्रधानमंत्री से मुलाकात करने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत यह मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि परंपरा के तहत प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात हुई है।साथ ही साथ ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोविड-19 वैक्सीन की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के हिसाब से हमें ज्यादा व्यक्ति मिले। इसके अलावा ममता बनर्जी ने कहा कि हमने बंगाल राज्य का नाम बदलने पर भी चर्चा की है। ममता ने कहा कि प्रधानमंत्री को पेगासस मुद्दे पर विचार विमर्श करने तथा उच्चतम न्यायालय की अगुवाई में जांच कराने का फैसला करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकजुटता अपने आप आकार ले लेगी।

बसवराज बोम्मई होंगे कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री

बेंगलुरू (एजेंसी)। बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे के बाद खाली हुई कर्नाटक के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अब बसवराज बोम्मई (ॅन्रि ए ँदर्स्स्) बैठेंगे। भारतीय जनता पार्टी (ॅब्झ) विधायक दल की बैठक में उन्हें कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री (ख्र्ॅ नै ण्श) बनाने का फैसला किया गया। बसवराज कल दोपहर तीन बजे राजभवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बसवराज, येदियुरप्पा सरकार में गृह, संसदीय और कानून मामलों के मंत्री थे। उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री का करीबी भी माना जाता है। येदियुरप्पा के इस्तीफे के बाद जिन नामों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, उनमें बोम्मई का नाम सबसे आगे था। सूत्रों के अनुसार, येदियुरप्पा के बेटे वाय बी विजयेंद्र को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। विजयेंद्र अभी उपाध्यक्ष हैं।

येदियुरप्पा की तरह ही बसवराज भी कर्नाटक में बड़ा वोट बैंक माने जाने वाले लिंगायत समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस आर बोम्मई के बेटे बसवराज ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत जनत दल के साथ की थी और एच डी देवगौड़ा व रामकृष्ण हेगड़े जैसे दिग्गज नेताओं के साथ काम किया। वर्ष 2008 में जेडी(यू) छोड़ने के बाद बसवराज ने बीजेपी का दामन थाम लिया था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री चुने जाने पर बसवराज बोम्मई ने कहा कि मौजूदा स्थिति में ये एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के अनुरूप गरीबों के लिए काम करने की कोशिश करूंगा। मैंने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी। हालांकि मुझे अपनी मेहनत पर भरोसा था और मुझे इसका परिणाम मिला।

पिछले दिनों जब यह चर्चा थी कि बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व येदियुरप्पा को हटाना चाहता है तो राज्य के लिंगायत मठों ने चेतावनी जारी की थी कि पार्टी को इसका परिणाम भुगतना पड़ सकता है। कर्नाटक में लिंगायतों की आबादी करीब 16 प्रतिशत है और मोटे तौर पर इन्हें बीजेपी का समर्थक माना जाता है।

ऐसे में माना जा रहा है कि बसवराज को मुख्यमंत्री चुनकर बीजेपी ने लिंगायत वोटों को अपने पाले में बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा सीएम पद के लिए ब्राह्मण समुदाय से आने वाले संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी, विश्वेश्वरा हेगड़े कगेरी का नाम चर्चा की भी चर्चा थी। लिंगायत समुदाय से ही आने वाले अन्य नेता मुरगेश निरनई का नाम भी रेस में था। नए नेता के चुनाव के लिए शहर के एक निजी होटल में बैठक हुई, जिसमें भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षकों- केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और जी किशन रेड्डी- भी शामिल हुए। विधायक दल की बैठक से पहले पर्यवेक्षकों ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री येदियुरप्पा से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इसके बाद विधायक दल की बैठक में येदियुरप्पा भी शामिल हुए।

येदियुरप्पा के बेटे को बनाया जा सकता है पार्टी अध्यक्ष

डिप्टी सीएम के मामले की विशेष न्यायालय में हो सुनवाई, मजिस्ट्रेट ने लिखा जिला जज को पत्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराए जाने को प्रस्तुत प्रार्थना पत्र की सुनवाई विशेष न्यायालय में किए जाने के लिए मजिस्ट्रेट ने जिला जज को पत्र लिखा है। सुनवाई की तारीख 30 जुलाई नियत की गई है। गौरतलब है कि आरटीआई एक्टिविस्ट दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने केशव प्रसाद मौर्य के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराए जाने का आदेश पारित करने के लिए अदालत में एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई । इसके उपरांत अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नम्रता सिंह ने जिला जज को एक पत्र लिखा कि केशव प्रसाद मौर्य, जिनके विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया गया है, वह विधान सभा के सदस्य हैं इसलिए इस प्रार्थना पत्र की सुनवाई का क्षेत्राधिकार इस न्यायालय को प्राप्त नहीं है।

राकेश अस्थाना बने दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर, चारा घोटाला केस की कर चुके हैं जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई के पूर्व स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना को दिल्ली पुलिस का नया कमिशन्र नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि अस्थाना का कार्यकाल एक साल का होगा।

1984 बैच के गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी अस्थाना बीएसएफ के महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वह 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे। अस्थाना सीबीआई के संयुक्त निदेशक भी रह चुके हैं। सीबीआई एसपी रहते हुए चारा घोटाले की जांच उनके नेतृत्व में की गई थी। सीबीआई में रहते हुए तत्कालीन निदेशक आलोक वर्मा के साथ हुए विवाद के बाद राकेश अस्थाना चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्हें नागरिक उड्डयन सुरक्षा और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के महानिदेशक पद पर नियुक्त किया गया था।

ऐसा बहुत कम देखा गया है कि जब एजीएमयूटी कैडर के बाहर से किसी आईपीएस अधिकारी को दिल्ली पुलिस का प्रमुख चुना गया हो। आमतौर पर अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर से संबंधित अधिकारी को इस पद पर नियुक्त किया जाता है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण कितने मरीजों की हुई मौत? केंद्र ने राज्यों से 13 अगस्त तक मांगे आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस साल की शुरुआत में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से होने वाली मौतों पर डेटा उपलब्ध कराने के लिए कहा है।

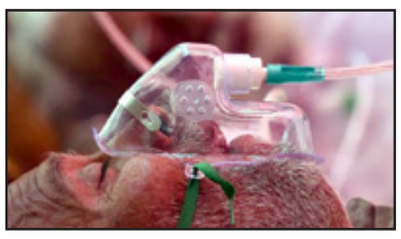

सूत्रों ने बताया कि 13 अगस्त को मॉनसून सत्र समाप्त होने से पहले सूचनाओं को एकत्र कर संसद में पेश किया जाएगा। इस साल की शुरुआत में पूरे भारत में संक्रमण में वृद्धि ने देश के स्वास्थ्य ढांचे पर भारी दबाव डाला। अस्पताल के बिस्तर, दवाओं और टीकों जैसी महत्वपूर्ण आपूर्ति बुरी तरह से कम हो गई। इनमें सबसे ज्यादा विनाशकारी मेडिकल ऑक्सीजन की कमी थी। ऐसी कमी थी कि भारत को आपात स्थिति के आधार पर कई देशों से महत्वपूर्ण गैस का आयात करना पड़ा। कई लोगों की दम घुटने से मौत हो गई।

गोवा में, मई में पांच दिनों में एक सरकारी चिकित्सा सुविधा में 80 से अधिक लोगों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में, एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती 11 कोविड रोगियों की ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित होने के बाद उनकी जान चली गई। हैदराबाद के एक अस्पताल में, आपूर्ति में दो घंटे की कटौती के दौरान सात ने सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया।

ऑक्सीजन बंटवारे को लेकर कई राज्य अदालत गए, जबकि सरकार ने आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पिछले महीने केंद्र ने दिल्ली सरकार द्वारा ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के कारण हुई मौतों की जांच के आदेश को भी वीटो कर दिया था। दिल्ली के एक अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से 21 मरीजों की मौत हो गई और मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

निर्दयी बाप ने एक महीने की दुधमुंही बच्ची का गला दबा कर की हत्या

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज इलाकाई थाना क्षेत्र के कोहडार चौकी अंतर्गत भइयां (चंद्रहास) गांव में पति पतनी के आपसी विवाद में नाराज पति ने एक महीने की दूधमुंही बच्ची का गला दबाकर हत्या कर दिया आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सुशील कुमार पाल पुत्र लाल बहादुर पाल निवासी रौनी नारि पथरा अपनी ससुराल भइयां (चंद्रहास) आया था जहां 1 महीने पूर्व उसकी पतनी ने एक बच्ची को जन्म दिया था। मंगलवार सुबह किसी बात को लेकर पति पतनी

में आपसी विवाद हो गया विवाद इतना बढ़ गया कि पतनी से खुनन्स खाए पति ने बगल चारपाई पर लेटी शिवानी का गला दबाकर हत्या कर दिया। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी कोहड़ार विनोद कुमार सिंह आरोपी पिता को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया तथा बच्ची का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से गांव में आक्रोश बना हुवा हैं।

कोरोना ने बढ़ाई चिंता! केरल, महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों के 22 जिलों में तेजी से बढ़ा संक्रमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि देश के सात राज्यों के 22 जिलों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में पिछले चार सप्ताह के दौरान तेजी का रुझान देखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि देश भर में कोरोना संक्रमण की कम होने की रफ्तार भी धीमी हुई है जो चिंता का विषय है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि 22 जिलों में पिछले चार सप्ताह के दौरान संक्रमण में

बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। इनमें केरल के 7, मणिपुर के 5, मेघालय तथा अरुणाचल प्रदेश के तीन-तीन, महाराष्ट्र के दो तथा असम एवं त्रिपुरा का एक-एक जिला शामिल है। उन्होंने कहा कि 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 54 जिले ऐसे हैं जहा संक्रमण दर 10 फीसदी से अधिक है। पिछले सप्ताह इन जिलों की संख्या 46 थी जो जिनकी संख्या अब बढ़ गई है। आठ जिलों में संक्रमण दर बढ़कर 10 फीसदी से अधिक हहो गई है जबकि पहले यह कम हो चुकी थी। इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है। इन 54 जिलों में केरल एवं मणिपुर के दस-दस जिले, नगालैंड में 7, मिजोरम एवं मेघालय में छह-छह, अरुणाचल प्रदेश में 5, राजस्थान में 4, सिक्किम में 2 तथा पांडिचेरी, दमन दीव, हरियाणा एवं असम का एक-एक जिला शामिल है।

एक प्रशन्न के उत्तर में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के. पाल ने कहा कि अगस्त में कोरोना टीकों की 15 करोड़ खुराक उपलब्ध होने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने कहा कि सही स्थिति अगले कुछ दिनों में सामने आ पाएगी। इस बार में कंपनियों से जानकारी ली जा रही है। निजी अस्पतालों में टीके के सिर्फ सात फीसदी इस्तेमाल पर उन्होंने कहा कि इसमें बढ़ोत्तरी होगी। बता दें कि निजी अस्पतालों को 25 फीसदी टीका खरीदने की अनुमति सरकार की तरफ से दी गई है लेकिन इसके बावजूद वे उपलब्ध खुराक का समय पर इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं।

हम इंतजार किए बिना, जो करना है करेंगेः मनोज सिन्हा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को लोग कई रूपों में जानते आए है। रेल मंत्रालय में उनके तमाम काम लोग याद करते हैं और टेलीकॉम मिनिस्टर के तौर पर उन्होंने एक मृतप्राय विभाग को पुनर्जीवन दिया। विप्लवग्रस्त जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को समाप्त हुए 6 अगस्त को दो वर्ष पूरे होने वाले हैं। आज यहां जब हालात तेजी से बदल रहे हैं, तो हुकूमत की कायर्योजना पर प्रधान संपादक शशि शेखर ने मनोज सिन्हा से

श्रीनगर स्थित राजभवन में लम्बी बातचीत की। पेश हैं। मैं आपके प्रशन्न का सीधा उत्तर देना चाहूंगा। आप जानना चाहते हैं कि राज्य का दर्जा इसे कब दिया जाए। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने देश की संसद में स्पष्ट रूप से भरोसा दिया था कि उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने भी जब राष्ट्र को संबोधित किया था, तो उसमें ये बात कही थी। पिछले दिनों 24 जून को जब यहां के विभिनन्न राजनैतिक दलों के लोग दिल्ली में बैठक के लिए गए थे, तब वहां भी यह प्रशन्न उठा था। वहां भी स्पष्ट रूप से गृह मंत्री ने कहा कि उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। देश की संसद में कही बात का अर्थ क्या होता है, मुझसे बेहतर आप समझते हैं।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम – 8318174147 अनमोल– 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष – 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।

नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका नि:शुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

क्रियायोग आश्रम में तीन दिवसीय दीक्षा कार्यक्रम का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोग आश्रम एवम् अनुसंधान संस्थान में वैदिक रीति रिवाज से क्रियायोग दीक्षा कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ त् आखरी दिन साधकों ने उत्साह के साथ क्रियायोग विधि से गुरु दीक्षा ली त् आपको बताते चलें कि यह कार्यक्रम 25 जुलाई से चल रहा है ।

कार्यक्रम में यू 0एस0 ए0, कनाडा, यूरोप, ब्राजील, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, नेपाल आदि देशों के साथ साथ भारत की विभिनन् शहरों से साधकों ने भाग लिया त् अंतर्राष्ट्रीय क्रियायोग वैज्ञानिक स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने

क्रियायोग पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि मानव को पूर्ण सत्य की अनुभूति के लिए 10 लाख वर्ष का समय लगता है। जन्म के बाद जन्म लेते हुये मनुष्य व्याधिरहित समय एकत्रित करने की प्रक्रिया में स्वाभाविक तरह से आगे बढ़ता जाता है, जिस समय 10 लाख वर्ष का समय उपलब्ध हो जाता है, उसी समय वह अनुभव कर लेता है कि समय व दूरी नहीं है। जो लोग 10 लाख वर्ष की लम्बी अवधि को एक अभिशाप की तरह देखते है, वे क्रियायोग ध्यान के द्वारा एक ही जन्म में 10 लाख वर्ष की स्वाभाविक आधि-व्याधिरहित अवस्था संग्रह कर लेते हैं। 10 मिनट के क्रियायोग दीक्षा प्रविधि से मनुष्य 20 वर्ष का नैसर्गिक विकास प्राप्त कर लेता है। इस प्रकार वह 30 वर्ष में क्रियायोग साधक पूर्ण सत्य को अनुभूति करता है।

फरियादियों की हर हाल हो मददः आईजी

यूनाइटेड पुलिस सहायता केंद्र का हुआ उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र थाने से संबंधित यूनाइटेड पुलिस सहायता केंद्र (बूथ) का उद्घाटन मंगलवार को मंत्रोच्चारण के बीच आईजी कविंद्र प्रताप सिंह व डीआईजी/ एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के कर कमलों द्वारा संपनन् किया गया। इस मौके पर आईजी कविंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पुलिस सहायता केंद्र में आने वाले प्रत्येक फरियादियों की मदद हो और समाज में अच्छा संदेश जाए, इसके लिए पुलिस हर संभव प्रयास करें।

वहीं डीआईजी/ एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस सहायता केंद्र फरियादियों के लिए मील का पत्थर साबित होते हैं। जो फरियादी किसी वजहों से संबंधित थाने तक वह नहीं पहुंच पाते हैं तो वह पुलिस सहायता केंद्र मैं पहुंचते हैं और तैनात पुलिसकमिर्यों से मिलकर आपबीती

बताते हैं। तैनात पुलिसकमिर्यों को चाहिए कि पुलिस सहायता केंद्र में आने वाले हर एक फरियादियों कि हर हाल में मदद हो और साथ ही वह अपने कर्तव्यों का भी पालन करें। उद्घाटन के बाद पुलिस सहायता केंद्र के समीप पौधरोपण भी किया गया। इस दौरान एसपी यमुनापार सौरभ दिक्षित, सीओ करछना राजेश कुमार यादव, इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा, यूनाइटेड पुलिस चौकी प्रभारी मनोज कुमार, एसआई रवि कटियार, बलिराम, राहुल तोमर समेत समस्त पुलिसकर्मी व क्षेत्र से संबंधित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कारोबारी का शव घर पहुचते ही मचा कोहराम

करछना। थाना क्षेत्र के बरदहा में गिट्टी बालू का कारोबार करने वाले रामराज सोनी की रविवार शाम अज्ञात लोगों नें गोली मार कर हत्या कर दी थी, जिसका सोमवार को पोस्टमार्टम कराया गया, मंगलवार को शाम पीएम के बाद रामराज सोनी का शव घर उसके गांव बरदहा पहुचते ही घर में परिजनों में कोहराम मच गया ।परिजन शव का अंतिम संस्कार न करने पर अडे रहे, इस मौके पर एसडीएम करछना अनिल कुमार त्रिपाठी ने एवं एसो करछना राकेश कुमार सिंह व सीओ करछना राजेश यादव की मौजूदगी में परिजनों को भरोसा दिलाया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा, परिजन सुरक्षा और शस्त्र लाईसेंस की मांग पर अडे रहे, जिस पर एसडीएम ने भरोसा दिलाया ।तब जाकर परिजनों ने शव को गंगा तट घाट मनैया पर अंतिम संस्कार कर दिया, परिजनों की तरफ से हत्या में शामिल दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

दहेज़ के लिए विवाहिता की हत्या पति समेत पांच के खिलाफ केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाके के राजापुर गांव में दहेज़ मानव रूपी काल की एक और विवाहिता भेंट चढ़ गई। दहेज़ की मांग पूरी नही होने पर लगातार कर रहे ससुरालियों ने प्रताड़ना के बाद सोमवार की रात विवाहिता की हत्या कर दिए। मामले में पुलिस ने पांच के खिलाफ केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा।

बारा थाना क्षेत्र के गींज गांव निवासी रामदास गौतम ने अपनी इकलौती बेटी संजना चौधरी की विवाह 13 जून 2020 को घूरपुर क्षेत्र के राजापुर गांव निवासी लल्लू के बेटे गौरी शंकर से की थी। आरोप है कि शादी के बाद ही ससुरालियों ने दहेज़ में दो लाख रूपए और सोने की जंजीर की मांग करने लगे। और मांग नहीं पूरी होने पर मारने पीटने सहित जान से मारने की धमकी भी देने लगे। और रोजाना विवाहिता को प्रताडित किया जाने लगा। दहेज़

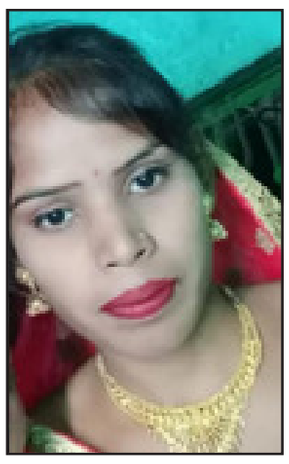

दो लाख रूपए व सोने की जंजीर की मांग पूरी नहीं करने पर घर की इकलौती बेटी की गवानी पड़ी जान

की मांग पूरी करने में असमर्थ पिता अपने रिश्तेदारों के साथ जाकर बेटी के ससुरालियों से मिनन्ते कर मनात रहा। लेकिन ससुरालियों ने एक नही सुनी। और सोमवार की रात विवाहिता की गला कस हत्या कर दिया। ससुरालियों ने विवाहिता के मायके मंगलवार की सुबह फोन से विवाहिता द्वारा फांसी लगा आत्महत्या कर लेने की ख़बर दी तो परिजनो में कोहराम मच गया। ख़बर पाते ही मायके पक्ष से दर्जनों लोग पहुंचे तो विवाहिता का शव घर के बाहर चारपाई पर मिला। सूचना पर पुलिस भी पहुंची तो शव बाहर चारपाई पर ही रखी मिली। पुलिस के पुछतांछ मे भी ससुरालियों ने फांसी की रस्सी आदि नही दिखा सके। मायके पक्ष से पहुचे दर्जनों लोगों ने कार्रवाई की मांग कर हंगामा करने लगे। जिससे मौके पर सीओ करछना राजेश यादव व एसडी करछना मौके पर पहुंच आश्वास्त कर आक्रोशित लोगों को शांत कर दिए गए शिक़ायती पत्र पर पति गौरी शंकर, ससुर लल्लू, सास तेरसा देवी, ननद सविता, देवर शुभम के खिलाफ दहेज़ हत्या का केस दर्ज कर मौके से पति व ससुर को गिरफ्तार कर शव को पीएम के लिए भेजा। संजना चार भाइन्यो मे सबसे छोटी और इकलौती बहन थी।

फोन से रात नौ बजे मायके की थी बात

थाने में पहुंचे संजना के भाइन्यो ने बताया की बहन संजना ने सोमवार की रात नौ बजे मां के पास फोन कर बातचीत की थी। सबकुछ ठीक ठाक बताई थी। लेकिन ससुरालियों की पूर्व मे हत्या की सुनियोजित साजिश से अनभिज्ञ थी। और उसी रात उसकी हत्या कर दी गई।

कलाम साहब युवाओं के असली पथ प्रदर्शक थे

पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की मनाई गई पुण्य तिथि

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। कलाम साहब अपने कायी एवम सिद्धांतों के बल पर आजीवन भारतीय जनमानस के दिलों मे जीवित रहेंगे इतना ही नहीं एक समाचार पत्र विक्रेता से जीवन की शुरुआत के साथ करने के साथ देश के सवीच्च कुर्सी पर आसीन हुए इतना ही विज्ञान के क्षेत्र मे भी कलाम साहब नें देश को अनेकों बार गौरवान्वित करने का कार्य किये उक्त बातें युवा समाजसेवीं एवम इलाहाबाद विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र के शोधार्थी छात्र अभिषेक सिंह पटेल नें पूर्व राष्ट्रपति कलाम साहब की पुण्यतिथि पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचारों को व्यक्त कर रहें थे अपने उद्बोधन के दौरान श्री पटेल नें कलाम साहब को युवाओं का पथ प्रदर्शक एवम प्रेरणास्त्रोत बताते हुए पूर्व राष्ट्रपति के पदचिन्हो पर चलने के लिए युवाओं को प्रेरित भी किये।इस अवसर पर श्री पटेल नें वृक्षारोपण के साथ साथ कलाम की प्रतिमा भी भेंट किये।इस अवसर पर प्रतिमा पटेल, सलोनी, रेनू सरोज इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

उतरांव में सबसे ज्यादा जीने वाली महिला की रुकी सांसे, अलविदा

पति बिना 45 वर्ष गुजारी जिंदगी का सफर

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव क्षेत्र के समोधीपुर गांव निवासी स्वर्गीय भगवती प्रसाद जिनकी पतनै राम सुंनरी 120 वर्ष के बाद स्वर्गवास पधारी।वही पति की 45 वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी थी। 120 वर्ष की आयु में समोधी पुर गांव निवासी राम सुनरी का स्वर्गवास हुआ तो देखने वालो की भीड़ लगने लगी। बता दें कि उतरांव क्षेत्र में सबसे ज्यादा दिन तक जीवित रहने वाली प्रथम महिला थी।मृतक बृद्ध महिला के सुपौत्र धर्मेंद्र कुमार पटेल जो भाजपा दशेर मंडल अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि गांव में सबसे ज्यादा उम्र की प्रथम वृद्ध महिला थी। जिनकी बीमारी से सांसे सोमवार को रुक गई। वही मंडल अध्यक्ष के घर पर शोक सभा का आयोजन कर भाजपाइयों ने 2 मिनट मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना

भी की। फिलहाल 120 वर्ष की वृद्ध महिला का देहांत हो जाने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। आजकल एक दशक तक कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं रह रहा है। मृतक वृद्ध महिला के पांच बेटे व 3 तीन बेटियां हैं।

कारोबारी का शव घर पहुचते ही मचा कोहराम

परिजनों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर सुरक्षा और शस्त्र लाईसेंस की मांग

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के बरदहा में गिट्टी बालू का कारोबार करने वाले रामराज सोनी की रविवार शाम अज्ञात लोगों नें गोली मार कर हत्या कर दी थी, जिसका सोमवार को पोस्टमार्टम कराया गया, मंगलवार को शाम पीएम के बाद रामराज सोनी का शव घर उसके गांव बरदहा पहुचते ही घर में परिजनों में कोहराम मच गया ।

परिजन शव का अंतिम संस्कार न करने पर अडे रहे, इस मौके पर एसडीएम करछना विनोद कुमार पाण्डेय ने एवं एसो करछना राकेश कुमार सिंह व सीओ करछना राजेश यादव की मौजूदगी में परिजनों को भरोसा दिलाया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा, परिजन सुरक्षा और शस्त्र

लाईसेंस की मांग पर अडे रहे, जिस पर एसडीएम ने भरोसा दिलाया ।तब जाकर परिजनों ने शव को गंगा तट घाट मनैया पर अंतिम संस्कार कर दिया,

परिजनों की तरफ से हत्या में शामिल दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है ।फिलहाल घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है ।जिसको लेकर ग्रामीणो में आक्रोश बना हुआ है, सूत्रों के हवाले खबर है कि पूछ ताछ के लिए पुलिस ने एक को हिरासत में लिया है ।

कलाम साहब युवाओं के असली पथ प्रदर्शक थे

पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की मनाई गई पुण्य तिथि

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। कलाम साहब अपने कायी एवम सिद्धांतों के बल पर आजीवन भारतीय जनमानस के दिलों मे जीवित रहेंगे इतना ही नहीं एक समाचार पत्र विक्रेता से जीवन की शुरुआत के साथ करने के साथ देश के सवीच्च कुर्सी पर आसीन हुए इतना ही विज्ञान के क्षेत्र मे भी कलाम साहब नें देश को अनेकों बार गौरवान्वित करने का कार्य किये उक्त बातें युवा समाजसेवीं एवम इलाहाबाद विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र के शोधार्थी छात्र अभिषेक सिंह पटेल नें पूर्व राष्ट्रपति कलाम साहब की पुण्यतिथि पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचारों को व्यक्त कर रहें थे अपने उद्बोधन के दौरान श्री पटेल नें कलाम साहब को युवाओं का पथ प्रदर्शक एवम प्रेरणास्त्रोत बताते हुए पूर्व राष्ट्रपति के पदचिन्हो पर चलने के लिए युवाओं को प्रेरित भी किये।इस अवसर पर श्री पटेल नें वृक्षारोपण के साथ साथ कलाम की प्रतिमा भी भेंट किये।इस अवसर पर प्रतिमा पटेल, सलोनी, रेनू सरोज इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

पहले से आबद्ध वकील से एनओसी लिए बिना दूसरे वकील का वकालतनामा स्वीकार्य नहीं

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी मुकदमे में यदि कोई वकील पहले से आबद्ध है तो उसके स्थान पर दूसरा वकील तब तक अपना वकालतनामा दाखिल नहीं कर सकता है जब तक कि उसने पूर्व में आबद्ध किए गए वकील से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) न लिया हो। कोर्ट ने इस आदेश का कड़ाई से पालन करने का हाईकोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया है। अदालत का कहना था कि इन दिनों यह प्रवृत्ति काफी देखी जा रही है कि किसी मुकदमे में पहले से आबद्ध वकील से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए बिना याची की ओर से हलफनामा लेकर दूसरा वकील अपना वकालतनामा दाखिल कर देता है। यह एक सही परंपरा नहीं है। कोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया है कि बिना पूर्व में आबद्ध वकील के अनापत्ति प्रमाण पत्र के दूसरे अधिवक्ता का वकालतनामा सिर्फ याची के हलफनामे के साथ स्वीकार न किया जाए। सुरेश राघवानी की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने दिया। याची की ओर से पूर्व में अधिवक्ता शशिधर पांडेय को आबद्ध किया गया था। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान दूसरे अधिवक्ता बृजेश कुमार मिश्रा अदालत में उपस्थित हुए और उन्होंने बताया कि उन्होंने याची के हलफनामे के साथ रजिस्ट्री में वकालतनामा दाखिल करने का प्रयास किया है त्

उनका कहना था कि उन्होंने शशिधर पांडेय से इसकी एनओसी नहीं ली है। कोर्ट ने इसे उचित परंपरा नहीं माना। याची सुरेश राजवानी के खिलाफ आगरा के सागर थाने में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज है, जिसमें उन्होंने अग्रिम जमानत की मांग की थी। कोर्ट ने अर्जी स्वीकार करते हुए अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है।

काग्रेसियों ने पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी का जोरदार स्वागत किया

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी का मेजारोड बाजार में कांग्रेसियों ने किया जोरदार स्वागत।

बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विंध्याचल मंदिर में माता शीतला के दर्शन के लिए निकले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी का मंगलवार सुबह यमुनापार जिलाध्यक्ष अरूण तिवारी व कांग्रेस इंटक के राष्ट्रीय महासचिव अतुल तिवारी के नेतृत्व में मेजारोड बाजार में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण करते हुए जोरदार स्वागत किया गया। कांग्रेसियों ने नारे लगाते हुए कहा कि हमारा सीएम कैसा हो प्रमोद तिवारी जैसा हो इस दौरान प्रमोद तिवारी कार्यकर्ताओं व जिलाध्यक्ष से मुखातिब होते हुए

उनका कुशलक्षेम पूछा उसके बाद उनका काफिला विंध्याचल की ओर निकल गया।पत्रकार वार्ता के दौरान इंटक के राष्ट्रीय महासचिव अतुल तिवारी ने कहा कि 2022 में झूठ व फरेब की सरकार को जनता मुंह तोड़ जवाब देते हुए उखाड़ फेकेंगी।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी जिसका नेतृत्व प्रमोद तिवारी करेंगे प्रमोद तिवारी जैसे नेता के हाथों में प्रदेश की कमान होनी चाहिए।इस दौरान पिंटू मिश्रा, डॉक्टर शीतला प्रसाद पांडे, राम छबीले मिश्रा, दिनेश तिवारी, संदीप शुक्ला, गुड्डू द्विवेदी उमापुर राजीव द्विवेदी, अनुराग तिवारी ,अवनीश तिवारी, शशिकांत शुक्ला, आशीष मिश्रा,अतुल कनौजिया, आलोक विश्वकर्मा ,अभिनव तिवारी, विष्णु चरण, भारतीया शैलेंद्र सिंह, राममिलन भारतीया, अंकित पांडे ,गुड्डू सिंह, विजय सिंह उर्फ मोनू ,अमन शुक्ला समेत सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं मौजूद रहे

फूलपुर में उप मुख्यमंत्री का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र सिंह पटेल के साथ ही अन्य भाजपा नेताओं ने माला पहनाकर किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का मंगलवार को फूलपुर में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। प्रयागराज जा रहे डिप्टी सीएम का काफिला शाम करीब आठ बजे जैसे ही फूलपुर बस स्टैंड पर पहुंचा भाजपा कार्यकता डिप्टी सीएम जिंदाबाद के नारे लगाने लगे।

ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र सिंह पटेल के नेतृत्व में पहले से ही ब्लाक मुख्यालय के सामने स्वागत में खड़े कार्यकर्ताओं ने डिप्टी सीएम के साथ ही ब्लाक प्रमुख का भी माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र सिंह पटेल को जीत की बधाई देने के साथ ही उनके उज्ववल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि देवतुल्य कार्यकर्ताओं

का प्रेम, सन्ेह, समर्थन और विश्वास ही मेरे जीवन की असली जमा पूंजी है जो आज फूलपुर में प्रेम की बारिश के रूप में बरस रहा है। इस मौके पर भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव,भाजपा नेता अनिल मौर्य,समाजसेवी श्याम बाबू गुप्ता,भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष बीर बहादुर सिंह, प्रधानपति मौजी लाल रावत,निसार अहमद, जय कुमार,नन्हकू राम भारतीय,अजीत सिंह पटेल, राम सिंह पटेल,ज्ञानेंद्र सिंह पटेल,धर्मेंद्र शुक्ला,प्यारे लाल,अनिल मौर्य सहित भारी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य,ग्राम प्रधान सहित समर्थक मौजूद रहे।

सूचना

मेरा हाईस्कूल अनुक्रमांक 2122254 वर्ष 2014 व इंटर मिडियेट वर्ष 2016 अनुक्रमांक 1605150 की अंक तालिका वास्तव में खो गई है।

मोहम्मद शरीफ पुत्र शब्बीर अली बहादुर शाह नगर कोरांव प्रयागराज।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं त्रिभुवन नाथ पाठक पुत्र मस्तराम पाठक निवासी 21 Koft Gran tola रानी मंडी इलाहाबाद जिसका एलआईसी पॉलिसी बांड(पॉलिसी नंबर 311331273) है। जो वास्तव में कहीं खो गया है।

जनपद में मरीजों के बेहतर उपचार हेतु 09 आक्सीजन प्लांट किये जा रहे है स्थापित, जिसमें से दो आक्सीजन प्लांट संचालित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कोविड-19 की सम्भावित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए जनपद प्रयागराज में मरीजों के बेहतर उपचार हेतु 09 आक्सीजन प्लांट स्थापित किये जा रहे हैं। इन 09 आक्सीजन प्लांटो में से 02 आक्सीजन प्लांट संचालित हो चुके हैं तथा तीसरा आक्सीजन प्लान्ट भी लगभग संचालित होने की स्थिति में है, इसके अतिरिक्त 03 अन्य आक्सीजन प्लान्ट प्राप्त हो चुके है, जो स्थापना के विभिनन चरणों में हैं और तीन प्लान्टों के लिए प्लेट फार्म और शेड निर्माण कार्य चल रहा है। मोतीलाल नेहरु मेडिकल कालेज के अन्तर्गत संचालित स्वरुपरानी नेहरु चिकित्सालय जनपद तथा मण्डल स्तर का मुख्य चिकित्सालय है, जिसमें 1400 बेड कोविड मरीजों को उपलब्ध कराने की क्षमता है। यहां कुल तीन आक्सीजन प्लान्ट प्रस्तावित हैं। इन 03 प्लान्टों में से 1400 एल0पी0एम0 क्षमता का एक प्लान्ट जो पी0एम0केयर फण्ड से स्थापित हो रहा है, पिछले हफ्ते पूरी तरह संचालित हो चुका है। यहां पर 1000 एल0पी0एम0 क्षमता के दूसरे प्लान्ट के लिए प्लेटफार्म और शेड निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है और विद्युत कार्य जारी है। यह

प्लान्ट अगले माह संचालित हो जायेगा। इस अस्पताल में 1000 एल0पी0एम0 क्षमता का तीसरा प्लान्ट पी0एम0 केयर फण्ड से स्वीकृत है, जिसके लिए शेड व प्लेटफार्म निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। अगले माह तक यह प्लान्ट भी संचालित हो जायेगा। स्वरुप रानी नेहरु चिकित्सालय के इन प्लान्टों के स्थापना के फलस्वरुप यह अस्पताल अपनी आक्सीजन आवश्यकता के लिए लगभग आत्मनिर्भर हो जायेगा और बाहर से आक्सीजन मंगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली हास्पिटल) में कुल 209 कोविड-19 बेड उपलब्ध हैं। इस चिकित्सालय में 02 आक्सीजन प्लान्ट क्रमशः 1200 एल0पी0एम0 और 1000 एल0पी0एम0 क्षमता के स्थापित किये जाने हैं। इनमें से 1200 एल0पी0एम0 क्षमता का आक्सीजन प्लान्ट राज्य सरकार के बजट से स्थापित हो रहा है। यह प्लान्ट हास्पिटल में प्राप्त होकर स्थापित हो चुका है। इसमें थोड़ा सा विद्युत कार्य शेष है जो इसी सप्ताह पूर्ण हो जायेगा और सप्ताह के अन्त तक प्लान्ट संचालित हो जायेगा। इस चिकित्सालय के 1000 एल0पी0एम0 क्षमता के दूसरे प्लान्ट के लिए प्लेटफार्म व शेड के निर्माण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। अगले माह तक यह प्लान्ट भी क्रियाशील हो जायेगा। इन दोनो प्लान्टों के क्रियाशील हो जाने पर तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय भी अपनी आक्सीजन आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर हो जायेगा।

शहर के मध्य स्थित जिला महिला चिकित्सालय (डफरिन), जहां पर 224 बेड उपलब्ध हैं, यहां भी 1000 एल0पी0एम0 क्षमता का आक्सीजन प्लान्ट पी0एम0 केयर फण्ड से स्थापित हो रहा है। इस प्लान्ट के लिए प्लेटफार्म और शेड का कार्य पूर्ण हो चुका है। शीघ्र ही प्लान्ट प्राप्त हो जायेगा। इसके भी अगले माह तक संचालित हो जाने की पूरी-पूरी संभावना है। इस प्लान्ट के स्थापित हो जाने से जनपद में कोविड-19 मरीजो हेतु 224 अतिरिक्त बेड की उपलब्धता हो जायेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फूलपुर में 300 एल0पी0एम0 क्षमता का एक आक्सीजन प्लान्ट क्रियाशील हो गया है। इस आक्सीजन प्लान्ट के क्रियाशील हो जाने से जनपद के कोविड-19 मरीजो हेतु 60 अतिरिक्त बेडो की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। टी0बी0 हास्पिटल, तेलियरगंज में भी 425 एल0पी0एम0 क्षमता का आक्सीजन प्लान्ट स्थापित हो रहा है। यह प्लान्ट अस्पताल में प्राप्त हो चुका है और प्लेटफार्म पर स्थापित हो चुका है। आक्सीजन पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो जाने पर टी0बी0 हास्पिटल, तेलियरगंज में 170 अतिरिक्त आक्सीजन बेड कोविड-19 मरीजो हेतु उपलब्ध हो जायेंगे।

पीएम स्वनिधि योजना बनाए आत्म निर्भर से समृद्ध हो रहे स्ट्रीट वेंडर्स : हर्ष बाजपेई

मिशन रोजगार संकल्प से सिद्धि विशेष अभियान लोन मेला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारत सरकार राज्य सरकार की महत्वकाक्षी योजना के अन्तर्गत रेहड़ी पटरी फुटपाथ दुकानदारो को वैश्विक महामारी कोरोना काल में रोजगार बन्द होने के कारण फिर से रोजगार शुरू करने के लिए पी एम स्वनिधि योजना आत्म निर्भर आर्थिक मदद के लिए दस हजार ब्याज सब्सीडी लोन वितरण के 1 जुलाई से 15 अगस्त तक विशेष अभियान ठसंकल्प से सिद्धिठ कार्यक्रम कटरा बैंक आफ बड़ौदा शाखा में बतौर मुख्य अतिथि विधायक शहर उत्तरी ई0 हर्ष वर्धन बाजपेई ने अपने उदभोदन में कहा प्रधानमन्त्री मुख्य मन्त्री गरीब कमजोर वर्ग के उत्थान में लगातार प्रयासरत है सभी को आत्म निर्भर बनाने के संकल्प यात्रा में दस हजार तक सिक्योरिटी फ्री लोन,नियमित भुगतान पर 7 प्रतिशत ब्याज सब्सीडी,डिजिटल लेन देन पर 1200 रूपये कैश बैक, समय से नियमित किश्त भुगतान पर अगली बार 20 हजार का लोन देने की इस योजना से आपके सरकार और बैंक में एक लघु व्यापारी का विश्वास स्थापित होगा। मुख्य अतिथि को ब्राच मैनेजर पकज कुमार ने बुके देकर स्वागत किया टाऊन वेन्डिग कमेटी सदस्य रवि शंकर द्विवेदी ने मुख्य अतिथी बैक मैनेजर पी ओ डूडा वर्तिका सिंह को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया वर्तिका सिंह ने योजना के विषय में बताया 18700 को लोन दिया जा चुका सभा की ईको प्रोफाइल तैयार हो चुकी 57 हजार का लक्ष्य निर्धारित है जनपद प्रयागराज में। कार्यक्रम मे हैदर अली सुजाता गुप्ता मो0 इसरार अनिल कु सोनकर सराफत अली को लोन प्रमाण पत्र दियें कार्यक्रम का संचालन रवि शंकर द्विवेदी ने किया इस दौरान सी.एम.एम अंशुमान सुजीत कुमार सोनम पोपटानी विमल गुप्ता लीलावती पाण्डे गनेश गुप्ता मो0 अनस अरविन्द यादव एहसान संदीप मौजूद रहे।

महापौर ने वैक्सीनशन के प्रति उत्साहवर्धन भी किया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महापौर प्रयागराज अभिलाषा गुप्ता नन्दी जी ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'मेरा बूथ वैक्सीनेशन युक्त' अभियान के तहत, भाजपा कीडगंज मंडल के अंतर्गत ऐं-मेडिकल कॉलेज, भाजपा बेनी माधव मंडल के अंतर्गत दारागंज प्राथमिक स्वास्थ्य सामुदायिक केन्द्र तथा भाजपा नैनी मंडल के अंतर्गत नैनी सरगम राज्य बीमा निगम में वैक्सीन लगवाने आए लोगों से उनका कुशलक्षेम जाना एवं वैक्सीनशन के प्रति उत्साहवर्धन भी किया साथ ही कार्यरत मेडिकल टीम का उनके द्वारा किये जा रहे कायी का अतःआभार व्यक्त किया । परिसर में उपस्थित लोगों से अपील किया कि देश को कोरोना मुक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक मात्रा में वैक्सीनशन करवाना मास्क का ठीक प्रकार से अवश्य करे , समय-समय पर सैनिटीज़शन हाथो को करते रहे साथ अपने आस-पास में लोगो उचित दूरी बनाए रखे ।

इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष चौक दिनेश विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष कीडगंज मनोज मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष बेनी माधव भरत निषाद, मंडल अध्यक्ष नैनी दिलीप केसरवानी, नामित पार्षद राजेश कुमार निषाद व अनूप मिश्रा, मंडल मंत्री सुमित वैश्य, मण्डल महामंत्री अशुतोष पालीवाल, मंडल महामंत्री रामजी मिश्रा, महानगर उपाध्यक्ष युवा मोर्चा हर्ष केसरी, क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य युवा मोर्चा गौरव मिश्रा, मंडल मंत्री युवा मोर्चा ऋषभ श्रीवास्तव, राजेश पांडेय एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गंगा सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

गंगा ग्रामों में फलदार वृक्षों को लगाये जाने के जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक सम्पनन हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने गंगा किनारे स्थित प्रत्येक नगर में नगर गंगा समिति एवं ग्राम गंगा समिति के गठन की जानकारी ली। उन्होंने शहर में कितने बड़े नाले है तथा उसके ट्रीटमेंट की

व्यवस्था के बारे में भी सम्बंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नालों में ट्रीटमेंट की व्यवस्था की जाये, जिससे नालों का गंदा पानी सीधे गंगा जी में न प्रवेश करें। जिलाधिकारी ने अधिक से अधिक फलदार वृक्षों का रोपण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने फलदार वृक्षों के लगाये जाने पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त मनरेगा श्री कपिल कुमार से जानकारी ली। संतोषजनक उत्तर न देने पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लगाये गये वृक्षों का सत्यापन अवश्य कराये तथा गंगा ग्रामों में जो भी वृक्ष लगाये जाये, वे अधिकतर फलदार वृक्ष ही लगाये।

उन्होंने जैविक खेती की जानकारी उप निदेशक कृषि से लेते हुए कहां कि कैसे इसको और विकसित किया जा सकता है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि अपनी कायच्योजना जरूर बना ले। इसी क्रम में उन्होंने जिला पर्यावरण की प्लांनिग कैसे की गयी है, के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि कितने तलाबों का जीणीद्धार किया गया है, जिसमें बताया गया कि पिछले साल 8 तालाबों का जीणीद्धार किया गया है। इसपर उन्होंने डी0सी0 मनरेगा से इस बार की कायच्योजना बनाने के निर्देश दिये है तथा सम्बंधित विभागों को अपनी कायच्योजना बनाने के लिए कहा है। बैठक में डी0एफ0ओ, उप निदेशक कृषि श्री विनोद कुमार सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केजरीवाल के दिल्ली मॉडल को पसंद कर रही है यूपी की जनता : सभाजीत सिंह

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा 2022 विधानसभा चुनाव में जनता ने आम आदमी पार्टी को सरकार बनाने का मौक़ा दिया तो 300 यूनिट बिजली मुफ्त देगी । इसके साथ युवाओं को रोजगार की गारंटी देगी । श्री सिंह आज यूपी जोड़ों सदस्यता अभियान के तहत 8 जुलाई से प्रदेश के सभी जिलों में शुरु हुई यूपी जोड़ो सदस्यता अभियान को लेकर के 256 फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही उन्होंने कहा कि यूपी जोड़ो सदस्यता अभियान को लेकर जनता में बेहद उत्साह है और समर्थन प्राप्त हो रहा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के सभी विधानसभाओं में बड़ी संख्या में लोग दिन पार्टी से जुड़े हैं।उन्होंने कहा कि जनता के बुनियादी मुद्दों पर राजनीति करने वाली आम आदमी पार्टी को यूपी में अपार ज नसमर्थन मिल रहा है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल की नीतियों और उनके विकास के मॉडल से यहां की जनता बेहद प्रभावित है। और बड़ी संख्या में

लोग पार्टी जुड़ रहे है।

श्री सिंह ने कहा कि योगी राज में अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई आदि से परेशान लोग यूपी के विकास के लिए यहां भी केजरीवाल मॉडल लाना चाहते हैं।

सभाजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश भर में आम आदमी पार्टी का यूपी जोड़ो अभियान जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसे देख कर कहना गलत न होगा कि आप के समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर आज पूरे प्रदेश में नफरत और बदले की राजनीति करने वाली नकारा सरकार के खिलाफ परिवर्तन की बयार उठ खड़ी हुई है। पार्टी के साथी घर- घर जाकर बड़ी संख्या में नए सदस्य बना रहे हैं। जगह-जगह कैंप भी लगाए जा रहे हैं। हर जिले में मिस्ड कॉल नंबर जारी किए गए हैं और सदस्यता लेने के लिए एप भी लांच किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में यह अभियान पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है। सभी जिलों से अभियान की प्रगति के अच्छे आंकड़े सामने आए हैं। कार्यकर्ताओं के उत्साह से पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी का यूपी जोड़ो अभियान छा गया है।

प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कार्यकर्ताओं के उत्साह की सराहना की। कहा कि पार्टी संयोजक केजरीवाल की नीतियों को लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य पाने के लिए हमें बस लोगों तक पहुंचने की जरूरत है। यही प्रयास 2022 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन की आंधी में तब्दील होगा। इसलिए हमें जरा भी कसर नहीं छोड़ी है। घर घर जाकर, शिविर लगाकर हर तरह से नए सदस्य जोड़ने हैं। सभाजीत सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के विकास मॉडल और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के जुझारू नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए खुद से भी बड़ी संख्या में लोग सदस्य बनने के लिए आगे आ रहे हैं। लोगों के इसी प्यार को हमें परिवर्तन की ऐसी आंधी में तब्दील करना होगा, जो सभी मोर्चे पर नाकाम योगी सरकार का सारा मद और अहंकार नेस्तनाबूद कर दे। कई स्तर पर हो रही अभियान की मानिटरिंग।

पीडीए के नये वीसी ने पदभार संभाला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण के नये वीसी अरविंद कुमार चौहान (आईएएस) ने पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद वीसी ने प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक कर चल रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली। बैठक के बाद उन्हों ने शासन की प्राथमिकताओं एवं जनसामान्य के हित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता पर करने का निर्देश दिया। मुख्य रूप से जनसुनवाई पोर्टल, जनहित पोर्टल व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का समय के भीतर निस्तारण किया जाय। शासन की महत्वपूर्ण परियोजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) आदि पर विशेष ध्यान दिया जाय। नैनी के अरैल क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित नवीन टाउनशिप परियोजना को मूर्त रूप प्रदान करने तथा अनधिकृत विकास व निर्माणों पर अंकुश लगाने का निर्देश वीसी द्वारा मातहत अधिकारियों, कर्मचारियों को दिया गया। नये

वीसी ने भू माफियाओं की गतिविधियों पर अंकुश लगाने एवं उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

दुर्दशा,कोरांव देवघाट ड्रमंड गंज मुख्य मार्ग का कार्य ठप

आवागमन में असुविधा बरकरार विभाग मौन,कोरांव के समीप पुलिया न बनने और अंत रेंजी बैठकबा जंगल की सड़कें अधूरी व बिला वजह हर जगह नस्ट करने से हो रहीं आवागमन में बाधाएं

शहजादे

कोरांव/प्रयागराज। लोक निर्माण कार्य दाई संस्था के इतने हौंसले बुलंद हैं कि जब जी चाहे निर्माण कार्य के नाम पर साल दो साल तक मार्गों को उखाड़ कर रख दिए है, कोई बोलने की किसी की हिमाकत नहीं है । आवागमन ठप व कस्ट दायक है।ठीकेदारों का तो यह आलम है कि मनमाने तरीके से जहां जी चाहा मार्ग चौड़ीकरण के नाम पर उखाड़ पछाड़ दिए है। निर्माण के लिए उतना इंट्रेस्ट नहीं है जितना पूरे मार्गों को खन खोद कर बरबाद कर दिए हैं जिससे बरसात में तो उक्त मार्ग पर टोटल आवागमन ठप है। हर जगह पुलिया के लिए निर्माण कार्य हेतु मार्गों को काट पीट कर रख दिए है।कोरांव के निकट दो दो पुलिया निर्माण हेतु साल दो साल पूर्व ही खोद दिया गया किन्तु अभी तक बनी नहीं। जिससे आए दिन आवागमन ठप रहता है। मार्गों पर गहरे गड्ढे और जलजमाव से यात्रियों का आवागमन दुश्वार हो गया है। लोक निर्माण विभाग के उक्त मार्ग पर नियुक्त आधा दर्जन से अधिक अवर अभियंता गण मूक दर्शक है। चर्चा है कि उक्त मार्ग के ठीकेदारों की पकड़ सीधे सी एम डिप्टी सी एम तक है। जिससे लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स इंटरफेयर नहीं कर रहे। भले जनता यात्रियों को खतरा हो या आवागमन बाधित हो, या राजस्व की हानि।

नागरिकों ने मुख्यमंत्री का ध्यान उक्त मुख्य स्टेट हाईवे मार्ग की चौड़ीकरण की ओर अधर में रहने व निर्माण कार्य की तरफ आकृष्ट किया है।

मेजा ऊर्जा निगम के अधिकारियो ने प्रधानों के साथ किया बैठक

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा ऊर्जा निगम ने परियोजना प्रभावित ग्रामपंचायत के ग्राम प्रधानों के साथ विगत 26 जुलाई को बैठक कर वार्ता किया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार ने की। बैठक में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को मेजा ऊर्जा निगम की तरफ से बधाई देते हुए राकेश कुमार ने कहा कि ग्रामपंचायत के विकास में उनकी सीधी महत्वपूर्ण भूमिका है।

मेजा ऊर्जा निगम अपने परियोजना प्रभावित गाँवो और ग्राम वासियों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। बैठक में मेजा ऊर्जा निगम द्वारा प्रभावित गाँवो में कराएं गये कायी और परियोजना प्रभावित गाँवो में भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया।वार्ता के दौरान बैठक में

मौजूद ग्राम प्रधानों ने भी अपने-अपने सुझाव और मेजा ऊर्जा निगम द्वारा कराए गए कार्यों पर प्रतिक्रिया भी ली गई, जिसके जवाब में प्रधानों ने मेजा ऊर्जा निगम द्वारा कराए गए कार्यों की सराहना की और उनके क्षेत्र में और कार्य करने और सहयोग करने का अनुरोध किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश कुमार ने प्रभावित ग्रामों में एनटीपीसी नीति के अंतर्गत हरसंभव कार्य कराने और सहयोग करने का आश्वासन दिया।बैठक में महाप्रबंधक तकनीकी सेवाएं आरके कनौजिया, महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण अनिल कुमार,महाप्रबंधक वित्त नवनीत गोयल, अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन प्रवीण कुमार गर्ग, उप महाप्रबंधक आर एंड आर सीपीएस निरंजन,उप महाप्रबंधक मानव संसाधन शुभदीप सोम एवं अन्य मेजा ऊर्जा निगम के अधिकारीगण मौजूद रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

एम्बुलेंस कर्मचारियों ने हड़ताल कर दिया धरना

मांगों को लेकर पृथ्वीगंज हवाई अड्डे पर किया प्रदर्शन

प्रतापगढ़। मांगों को लेकर छठें दिन भी कर्मचारियों ने एम्बुलेंस का संचालन ठप रखा। इससे मरीजों व उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मजबूरी में मरीजों को निजी साधन से अस्पताल जाना पड़ा।

एम्बुलेंस चालकों का आरोप है कि आधुनिक एम्बुलेंस का संचालन अब तक जेवीके संस्था कर रही थी। अब फर्म बदलकर किसी और को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। नई फर्म पुराने कर्मचारियों को हटाकर नये कर्मचारी को रख रही है। एम्बुलेंस चालकों का ये भी आरोप है कि काम करने की इच्छा जताने वाले पुराने कर्मचारियों से रुपये की डिमांड की जा रही हैं जीवनदायिनी एम्बुलेंस संघ के जिलाध्यक्ष मधुकर सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार की सुबह पृथ्वीगंज हवाई अड्डा पर एम्बुलेंस चालकों ने लगातार छठें दिन भी अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इस मौके पर मुश्ताक अहमद, शमशेर यादव, राज बहादुर यादव, नीरज, गौरव दुबे, कृष्णचंद्र यादव, बृजेश कुमार, रामदयाल गुप्ता, दिनेश गुप्ता, रवि सिंह, अमित कुमार समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

दबंगों ने फायरिंग कर फैलाई दहशत

प्रतापगढ़। मान्धाता के मिश्रपुर गांव में दबंगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाई। गाड़ी चेक करने के बहाने दबंगो ने गांव के युवकों की बाइक रोकी। युवकों के शोर मचाने पर बाइक छोड़ी। कुछ ही पल में बाइक रोकने वाले दबंगो के साथ दर्जनों लोगों ने ग्राम प्रधान के दरवाजे पर चढ़कर ताबड़तोड़ कई राउण्ड फायरिंग की। इस दौरान बड़ी अनहोनी होने से टल गई। घटना से ग्राम प्रधान का परिवार एवं गांव वासी सहमे हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर में चला हस्ताक्षर अभियान तो जगह-जगह लगी सरदार पटेल के नाम की होर्डिंग

मेडिकल कालेज को सोनेलाल पटेल करने का पुरजोर विरोध जारी

प्रतापगढ़। बेल्हा में नवनिर्मित स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (राजकीय मेडिकल कालेज) का नाम शासन द्वारा सोनेलाल पटेल के नाम पर करने का विरोध दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को नगर के अम्बेडकर चैराहा, चैक घंटाघर व पंजाबी मार्केट में जहां बेल्हा नागरिक स्वाभिमान मोर्चा के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाकर शासन के इस नये नामकरण का विरोध में जनसमर्थन जुटाने का प्रयास किया गया, वहीं पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता बृजेश शर्मा द्वारा शहर में तथा राजकीय मेडिकल कालेज पूरे केशवराय के तिकोने पर होर्डिंग सरदार वल्लभ भाई पटेल मेडिकल कालेज की लगाई गई। इसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व बृजेश सौरभ की फोटो भी लगी है।

सोमवार की शाम बृजेश सौरभ ने एडीएम शत्रोहन वैश्य को ज्ञापन सौंपकर राजकीय मेडिकल कालेज का नाम सरदार वल्लभ भाई पटेल करने की मांग किया था। इस बारे में पता चला कि अपना दल (एस) की नेता एवं केन्द्र सरकार की मंत्री अनुप्रिया पटेल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस नवनिर्मित मेडिकल कालेज का सोनेलाल पटेल करने की मांग की थी। लोगों का कहना है कि अनुप्रिया पटेल को अपने संसदीय क्षेत्र मिर्जापुर में इस तरीके की मांग करनी चाहिये, न कि प्रतापगढ़ में। यहां के लोगों का कहना है कि प्रतापगढ़ में महापुरुषों की कमी नहीं है। फिर भी यदि भाजपा नेतृत्व किन्हीं कारणों से पटेल को ही खुश करना चाहता है तो सरदार वल्लभ भाई पटेल तो पूरे देश के सर्वमान्य नेता हैं। उनके नाम पर ही राजकीय मेडिकल कालेज होना चाहिये।

इसी भावना से प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और शहर भर में सरदार वल्लभ भाई के नाम की होर्डिंग लगाई गई है। सोमवार को नगर में सोनेलाल पटेल के विरोध में एक बड़ा मार्च निकाला गया था। बुधवार को अम्बेडकर चैराहा पर मानव श्रृंखला बनाकर विरोध किया जाएगा। इस मौके पर बेल्हा नागरिक स्वाभिमान मोर्चा के पदाधिकारी अभिषेक तिवारी, प्रदीप शुक्ला, अच्युतानंद पाण्डेय, शिवाकान्त पाण्डेय, आसिफ राईन, सत्य विजय, विकास यादव, पवन शर्मा, मुकेश पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

मुनीश्वरदत्त के नाम हो मेडिकल कालेजः दवा विक्रेता संघ

प्रतापगढ़। दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज का नाम सोनेलाल पटेल मेडिकल कॉलेज रखना भारतीय जनता पार्टी की जातिगत एवं तुच्छ राजनीति को बढ़ावा देने का कार्य को दर्शा रही है। प्रतापगढ़ एवं यहां की जनता के लिए सोनेलाल पटेल का कोई योगदान नहीं है। प्रतापगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में अगर सही तरीके से किसी का योगदान है तो वह पंडित मुनीश्वर दत्त उपाध्याय का है जिन्होंने प्रतापगढ़ से अलग-अलग क्षेत्रों में कई सारे इंटर कॉलेज एवं महाविद्यालय खोले, जिसके फलस्वरूप प्रतापगढ़ के लोग शिक्षित हो सके, इसलिये हम प्रतापगढ़ वासी राजकीय मेडिकल कॉलेज का नाम सोनेलाल पटेल की जगह पंडित मुनीश्वर दत्त राजकीय मेडिकल कॉलेज रखने की मांग केंद्र एवं राज्य सरकार से करते हैं।

पीएम स्वनिधि योजना में 25 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत

नगर पालिका के ईओ ने वितरित किया स्वीकृति पत्र

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आफ निर्भर योजना (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने मंगलवार को 25 लाभाथिर्यों को 10-10 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत किया।

नगर पालिका परिसर में आज इस योजना की बैठक में अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह ने बताया कि नगर के शहरी पथ विक्रेता, ठेले वाले, रेहड़ी वाले, फल विक्रेता को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 10-10 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत किया जिसे लाभार्थी को एक वर्ष में बैंक में वापस करना होगा। बैंक की पासबुक एवं आधार कार्ड के आधार पर ऋणों को स्वीकृत कर बैंक भेज दिया जाता

है और लाभार्थी के खाते में पैसा चला जाता है। ईओ ने बताया कि 1603 लोगों ने ऋण के लिये आवेदन किया है जिनमें से 940 का ऋण स्वीकृत हुआ है। रजिस्ट्रेशन एक जुलाई से 27 जुलाई तक चला है। आज जिन 25 शहरी पथ विक्रेताओं व रेहड़ी वालों को ऋण स्वीकृत किया गया, उनमें उमेश चंद्र, रेशमा, शेर बहादुर, देवेश पाण्डेय, सर्वेश शर्मा आदि रहे। बैठक में अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के अलावा सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, स्वच्छ भारत मिशन के डीपीएम वरुण कुमार सिंह, आशीष मिश्रा, राजेन्द्र यादव, शशांक श्रीवास्तव, राजेश सिंह आदि रहे।

एमडीपीजी कालेज में विश्वविद्यालय की परीक्षाएं हुई समाप्त

प्रतापगढ़। प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज से संबंध महाविद्यालयों में वार्षिक की मौखिकी एवं प्रायोगिक परीक्षा के अंक 28 जुलाई से ऑनलाइन प्रेषित किए जाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट 28 जुलाई से खोली जाएगी। एमडीपीजी कॉलेज के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि सेमेस्टर की भांति वार्षिक की मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा कराकर उसके अंक ऑनलाइन भेजे जाने हैं। इसके लिए 28 जुलाई से विश्वविद्यालय की वेबसाइट खोली जाएगी। इस आशय का पत्र विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों को प्रेषित है। उन्होंने बताया कि प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज की वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाएं आज से समाप्त हो गई है।

सीमावर्ती राज्यों के बीच हिंसक झड़पें राष्ट्रीय छवि के लिए चिंताजनकः प्रमोद तिवारी

केन्द्रीय गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं यूपी आउटरीच एण्ड कोआर्डिनेशन कमेटी के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने असम तथा मिजोरम के सीमावर्ती काचर जिले में हुई हिंसा में आधा दर्जन जवानों की मौत तथा सैकड़ों के घायल होने की अकल्पनीय घटना को देश के संघीय ढांचे की मजबूती के लिए कडी चिंता करार दिया है।

सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने इस गंभीर घटना के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री को असफल ठहराते हुए उनके फौरन इस्तीफे की भी मांग की है। श्री तिवारी ने कहा कि भारत गणराज्य राज्यो के संघीय मेल से केन्द्रीय कानून और संविधान से अखण्ड और मजबूत आधार रखा करता है। ऐसे मे केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार के द्वारा परोसे गये चैतरफे अविश्वास के माहौल मे मिजोरम तथा असम के बीच हुई गोलीबारी की घटना ने प्रदेशो मे अशांति के उत्पनन हो रहे हालात राष्ट्रीय सम्प्रभुता के लिए भी बेहद चिंताजनक है। सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने कहा कि इस तरह की दो राज्यो के बीच पनपी हिंसा से देश के संघीय ढांचे की मजबूती पर भी कुठाराघात है। उन्होने केन्द्रीय गृहमंत्री को इन घटनाओ के लिए सीधे विफलता के दायरे मे खडा करते हुए कहा कि यह तब और चिंताजनक हालात उभरे हैं जब स्वयं गृहमंत्री पूर्वोत्तर राज्यो के दौरे पर रहे हो।

चोरी की मोबाइल एटीएम और आधार कार्ड के साथ वांछित आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस को मिली कामयाबी

पट्टी, प्रतापगढ़। 25 जुलाई की रात पट्टी चमन चैक पर गुमटी तोड़कर उसमें रखा हुआ नकदी और सामान चोरी करते समय किराने की दुकान में लगे हुई सीसीटीवी कैमरे से चोरों की तस्वीरें कैद हो गई। पीड़ित की तहरीर पर दोनों आरोपियों पर सोमवार को पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था मंगलवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को मेडिकल कराया।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रायपुर रोड निवासी राजकुमार ने रायपुर रोड चमन चैक पर और पान की गुमटी रखी है 25 जुलाई की रात करीब भोर में 3 बजे प्रियांशु गुप्ता पुत्र अरविंद गुप्ता निवासी मदनपुर थाना लंभुआ जनपद सुल्तानपुर हाल पता दया हॉस्पिटल के नीचे कस्बा पट्टी प्रतापगढ़ तथा अभिषेक गुप्ता पुत्र श्यामलाल गुप्ता निवासी कोठियार थाना पट्टी प्रतापगढ़ दोनों गुमटी तोड़कर उसमें रखा हुआ 2000 रुपये नगद गुटखा सिगरेट आधार कार्ड पर और गुल्लक में रखा हुआ 500 रुपये निकाल लिए गुमटी के सामने राममिलन किराना स्टोर पर लगी हुई।

सीसीटीवी कैमरे में चोरों की यह हरकत कैद हो गई। सुबह जब पीड़ित को गुमटी में चोरी की सूचना मिली तो सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया और दोनों आरोपियों की पहचान हो गई। पुलिस ने इस मामले में सोमवार को ही दोनों आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया और मंगलवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पट्टी उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ढकवा मोड़ पट्टी सुबह 4.30 बजे दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास एक अदद चोरी का मोबाइल सैमसंग कंपनी तथा पर पैन कार्ड आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस एटीएम कार्ड इयरफोन सिगरेट बीड़ी माचिस व चोरी के 883 रुपए नगद बरामद किया गया। साथ ही साथ गुमटी में तोड़ते समय प्रयोग किया गया सरिया जिससे अभियुक्त गण वादी की दुकान का ताला तोड़ा था, बरामद किया गया।

संचारी रोग के तहत हो रहा सफाई अभियान व एंटी लार्वा का छिड़काव

प्रतापगढ़। संचारी रोग अभियान के तहत नगर पालिका ने मंगलवार को जहां विस्तारित क्षेत्र जोगापुर व देवकली में नालियों की सफाई का अभियान चलाया, वहीं नगर के अनेक वार्डों की नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव कर मच्छरजनन को रोकने का प्रयास किया गया।इस बारे में नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि संचारी रोग अभियान के तहत चाहे शहर को कोई क्षेत्र हो या विस्तारित क्षेत्र, सभी जगह साफ-सफाई कर मच्छरजनित रोगों से बचाने का प्रयास चल रहा है। सफाई निरीक्षक ने बताया कि अध्यक्षा प्रेमलता सिंह व ईओ मुदित सिंह का स्पष्ट निर्देश है कि अभियान चलाकर नाले-नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाए।

विधान सभा चुनाव की तैयारी में जुटे कार्यकर्ताः छविनाथ

सपा कार्यालय पर बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपाइयों की बैठक सम्पनन हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन जिलामहासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता 2022 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं तथा जनवरी 2022 में 18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवक युवतियों के नाम मतदाता सूची में शामिल करवायें।

पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा ने कहा कि अखिलेश यादव के विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाते हुए मतदाता सूची का कार्य पूरी ईमानदारी लगन एवं निष्ठा से करें। पूर्व विधायक श्याद अली ने कहा कि सपा मुखिया पूरे प्रदेश में विकास के लिए संकल्पित है जिनके विकास कार्यों को जनता आज याद कर रही है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष भइय्या राम पटेल, जगदीश मौर्या, शकील अहमद, शान्ति सिंह, सुषमा पाल, महिमा गुप्ता, गीता यादव, आशा सरोज, शबनम बानो, संजीव गुप्ता, विजय पाल, प्रदीप सरोज, रमेश यादव, भागीरथी यादव, गुलफाम खान, इरशाद सिद्दीकी, वासिक खान, दीपक पाण्डेय, ललित नारायण मिश्रा, मीडिया प्रभारी मनीष पाल सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

व्यापारियों के संगठन के बलबूते सरकार ने मांगी अनेक मांगेंः कंछल

प्रांतीय अध्यक्ष के आने पर जिले के व्यापारियों ने किया भव्य स्वागत

प्रतापगढ़। उ0प्र0 उद्योग व्यापार मण्डल ने अपने प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल का नगर के पीडब्लूयूडी डाक बंगले में स्वागत किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष कंछल ने बताया कि संगठन के बलबूते सरकार से बातचीत में अनेक मांगें मानी गई है।

इसमें जीएसटी धारक व्यापारियों को दुर्घटना में मृत्यु के बाद परिजनों को दस लाख रुपये की नकद सहायता देने, पटरी दुकानदारों को दो हजार रुपये की राशि प्रतिमाह अनुदान सहायता देने, विद्युत बिल में सरचार्ज माफ करने, कोरोना काल में लाकडाउन

उल्लंघन के मुकदमों को वापस लेने की स्वीकृति मिली है।

व्यापारी वर्ग ने गंभीर बीमार होने पर सरकार से दस लाख रुपये की मांग प्रांतीय अध्यक्ष के सामने रखी। प्रांतीय अध्यक्ष कंछल ने जनपद के पदाधिकारियों राजेन्द्र कुमार केसरवानी, संजय सोनी आदि से बैठकर जिले के व्यापारियों के अमन, चैन व समस्याओं की जानकारी ली। बैठक में जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी, राम शंकर जायसवाल, लखन बाबा, श्यामलाल जायसवाल, विजय सोनी, विनय सिंह, सुनील जायसवाल, मो0 अख्तर राईन, मो0 फैजान आदि लोग उपस्थित रहे।

मिसाइलमैन एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर अर्पित की गई पुष्पांजलि

लालगंज, प्रतापगढ़। मिसाइल मैन पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर मंगलवार को तिना चितरी मे स्मृति दिवस के तहत उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ऑल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा समाजसेवी आरपी वर्मा व स्वामी बाबा नरेन्द्र ओझा ने एपीजे कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। मुख्यवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि एपीजे कलाम ने देश को कई रक्षा मिसाइल्स सौपते हुए इसरो के जरिए भारत के सामरिक महत्व को विश्वपटल पर मजबूती प्रदान की। अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी आरपी वर्मा ने कहा कि भारत रतन एपीजे कलाम ने दुनिया को भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे युवा विचारक बाबा नरेन्द्र ओझा ने एपीजे कलाम के राष्ट्रीय चिंतन व उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला।

ट्रेन में घुसेड़ दी ब्रेजा कार, रेल मार्ग ठप

फाटक को तोड़ते ट्रेन से टकराई कार, चालक गिरफ्तार

प्रतापगढ़। मालदा से आनंद बिहार जा रही 03435 अप मालदा टाउन एक्सप्रेस ट्रेन प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना ग्रस्त होने से बच गई। सोमवार देर रात 81 नम्बर फाटक पर यह हादसा हुआ है। उस समय ट्रेन फाटक पर खड़ी थी।

भंगवा चुंगी साइड से तेज गति से आती हुई ब्रेजा कार फाटक को तोड़ते हुए ट्रेन में घुस गई। इसके बाद कार के परखचे उड़ गये। दुर्घटना से प्रतापगढ़-बनारस रेल मार्ग एक घंटे ठप रहा। घटना की जानकारी होने पर रेल महकमे में हड़कंप मच गया। आवासों में सो रहे रेल और पुलिस फोर्स के अधिकारियों के फोन घनघना उठे।लोग गिरते पड़ते मौके पर पहुंचे। कार को ट्रेन से अलग कर आरपीएफ ड्राइवर को पकड़कर थाने ले आई। उसके खिलाफ रेलवे एक्ट की विभिनन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया। रेल अधिकारियों का कहना है कि कार चालक की लापरवाही से यह हादसा बड़ा हो सकता था। जिसमें यात्रियों की जान भी जा सकती थी। घटना से यात्री किसी अनहोनी से डरे हुये हैं। रेल संपत्ति का नुकसान हुआ है। सड़क के किनारे खड़ी ट्रक में कार का घुसना सुना गया था। खड़ी ट्रेन में कार का घुसना शायद पहली बार सुनने को मिला है। जानकारी के अनुसार मालदा टाउन प्लेटफार्म एक पर खड़ी थी। हमेशा की तरह इसके तीन कोच प्लेटफार्म से बाहर 81 नम्बर गेट तक खड़े थे। उस समय फाटक बंद था। गेटमैन के अनुसार रात करीब 2 बजे लाल रंग की ब्रेजा कार फाटक को तोड़ते कोच में घुस गई। लोहे से टकराने के बाद कार का अगला हिस्सा टुकड़े टुकड़े हो गया। जांच पड़ताल के बाद ट्रेन तीन बजकर आठ मिनट पर प्रतापगढ़ से चली। इस मामले में आरपीएफ इंस्पेक्टर का कहना है कि ब्रेजा कार जिसका नंबर यूपी 72 एएन 5357 है। फाटक तोड़ते हुये मालदा टाउन से टकराई है। इसके चालक बिलाल अहमद ,महुआर कोतवाली नगर की लापरवाही से हादसा हुआ है। उसके खिलाफ रेलवे एक्ट 160 टू, 174, 153 और 145 में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है। कार को थाने पर लाये हैं। कार नूरजहां पतनी इश्तेखार महुआर के नाम है।

डर गये यात्री, कोच से उतरकर लगे भागने

युवा मोर्चा काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष का फूल मालाओं से हुआ जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। भारतीय जनता युवा मोर्चा, काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र मौर्य का गोपीगंज में भाजपा जनों द्वारा फूल मालाओं से लॉर्ड कर उनका स्वागत किया गया।

प्रयागराज से वाराणसी जाते समय गोपीगंज नगर के पड़ाव स्थित बरगदा हनुमान मंदिर के सामने भाजपा नेता अभिनव पांडेय के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शैलेंद्र मौर्य ने कहां की उत्तर प्रदेश में 2022 में फिर से योगी सरकार बनेगी। भारतीय जनता पार्टी के कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। अपने कार्यकाल में विकास कार्यों के साथ-साथ अराजकता, गुंडागर्दी को समाप्त किया है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संदेश दिया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः सभी वर्गों के आशीर्वाद से उत्तर प्रदेश में भाजपा ठअबकी बार 300 पारठ के नारे के साथ सरकार बनाने जा रही है।

जिसमें सभी कार्यकर्ताओं युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। क्योंकि भाजपा ही सरकार और संगठन में युवाओं को भागीदारी दे रही है। बाकी दल युवाओं का सिर्फ उपयोग करके उनकी उपेक्षा कर रहे हैं। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष विनय पांडे उर्फ गोरेलाल, जिला पंचायत सदस्य अमित सिंह, अश्वनी अग्रवाल, पंकज बिंद, कपिल मिश्रा, प्रवीण जायसवाल, संदीप गुप्ता, संयोग सिंह, प्रज्वल बरनवाल, मोहित उमर, राहुल चौबे, विनय यादव, राजन प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

बाबा बड़े शिव का किया गया हरियाली श्रृंगार

देर रात तक चलता रहा दर्शन पूजन और अभिषेक का सिलसिला

गोपीगंज भदोही। नगर के हृदयस्थली प्राचीन बाबा बड़ेशिव मंदिर में सावन मास के प्रथम सोमवार को होने वाले साप्ताहिक महाआरती में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर बाबा का भव्य रुप से हरियाली श्रृंगार करा कर 1008 दीपों से उनकी महाआरती उतारी गई। मंदिर परिसर में ढोल, नगाड़ा, वेदंग के बीच हर हर महादेव के नारे गूंजते रहे। बाबा को भोग लगाने के लिए विविध प्रकार के फलों और मिष्ठान को रखकर उनका भोग लगाया गया। देर रात महाआरती में भारी संख्या में महिलाएं पुरुष सहित नगर के गणमान्य लोग भाग लिए और प्रसाद पाकर पुण्य के भागी बने।

एंबुलेंस कर्मियों का आंदोलन दूसरे दिन भी रहा जारी

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। एंबुलेंस कर्मियों का आंदोलन दूसरे दिन भी लगातार जारी रहा। बताया जाता है कि एंबुलेंस कर्मियों को ठेकेदारी प्रथा से मुक्त करने कंपनी बदलने पर कर्मचारियों को ना बदलने सहित विभिनन मांगों को लेकर सोमवार से आंदोलित 102, 108 एंबुलेंस कर्मियों ने दूसरे दिन भी कार्य से विरत रहकर आंदोलन जारी रखा।

कर्मचारियों ने बताया कि 3 दिन मुख्यालय ज्ञानपुर और 2 दिन गोपीगंज आंदोलन करते हो गया परंतु उनकी मांगों को सुनने वाला कोई नहीं पहुंचा। जबकि उन्हें धमकी भी दी जा रही है। कर्मचारियों ने मांगों के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर दूसरे दिन विरोध जताया और चेतावनी दी कि यदि जब तक मांग पूरी नहीं होगी

आंदोलन चलता रहेगा। जरूरत पड़ने पर चक्काजाम के लिए भी तैयार रहेंगे।

जीवनदायिनी स्वास्थ्य विभाग एंबुलेंस कर्मचारी संगठन की ओर से प्रस्तावित आंदोलन आंदोलित कर्मचारी कार्य से विरत रहे। और अपने वाहनों को गुलाब धर मिश्र इंटर कॉलेज के मैदान में खड़ी कर कार्य से विरत रहे। जिला अध्यक्ष रणजीत यादव ने कहा कि एंबुलेंस कर्मचारियों को ठेकेदारी प्रथा से मुक्ति देने कोरोना काल में मृत कर्मियों के आश्रितों को ?500000 सहायता राशि देने के साथ ही कंपनी बदलने पर कर्मचारियों को न बदलने व वेतन में किसी भी तरह की कटौती न करने सहित अन्य मांगे उठाई गई हैं। और जब तक पूरा नहीं होगा हम लोग हटेंगे नहीं। बल्कि आंदोलन को और गति देंगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अजय यादव, उमाशंकर, श्याम बिहारी, ज्ञान सिंह, गिरिजा शंकर, अनुज मिश्रा, अनिल, राम जी, अश्वनी, शमशेर, सुरेंद्र, प्रदीप, भूपेंद्र आदि रहे।

व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष का व्यापारियों ने किया भव्य स्वागत

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष बनवारीलाल कंछल का नगर के व्यापारियों ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। मंगलवार को प्रयागराज से वाराणसी जाते समय नगर के रतनलाल अग्रहरी के आवास पर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि व्यापारियों के उत्पीड़न पर जिले के अधिकारियों से टेलीफोन पर बात किए और शनिवार रविवार के विकेंड लाकडाउन के लिए सरकार से बात किए जाने को कहा। इसी के साथ ही घोसियां, खमारियां के व्यापारियों ने भी अध्यक्ष से शिकायत की। भदोही जनपद के खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा लाइसेंस के नाम पर धन उगाही की शिकायत पर अधिकारियों से बात की। स्वागत करने वालो में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष घनश्यामदास गुप्ता, नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल, रतनलाल अग्रहरी, फिरोज खान, दिनेश उमर आदि उपस्थित रहे।

कृषि पर परिचर्चा संपन्न

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले में आयोजित कृषि परिचर्चा में जानकारी देते हुए कृषि प्रसार विशेषज्ञ डॉक्टर आरपी चौधरी ने कहा कि मिट्टी में लगातार रसायनों के छिड़काव एवं रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती मांग ने पर्यावरण को प्रदूषित करने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति को भी घटाया है। इन रसायनों के प्रभाव से मिट्टी को उर्वरकता प्रदान करने वाले सूक्ष्म जीवों की संख्या में अत्यधिक कमी हो गयी है। जैसे कि, हवा से नाइट्रोजन खींचकर जमीन में स्थिरीकरण करनेवाले जीवाणु राइजोबियम, एजेटोबैक्टर, एजोस्पाइरलम, फास्फेट व पोटाश घोलनशील जीवाणु आदि। उन्होंने बताया कि मिट्टी में इन जीवाणुओं की संख्या बढ़ाने हेतु इनके कल्चर का उपयोग जैविक खादों के साथ मिलाकर किया जाता है। किसी विशिष्ट उपयोगी जीवाणु/कवक/ फुन्फंद/ को उचित माध्यम में (जो कि साधरणतः ग्रेनाइट या लिगनइट का चुरा होता है) ये जीवाणु 6 माह से एक वर्ष तक

जीवित रह सकते हैं। सामान्यतः अधिक गर्मी (40 से ऊपर) में ये जीवाणु मर जाते हैं। जीवाणु कल्चर का भंडारण सावधानी पूर्वक शुष्क एवं ठंडी जगह पर करना चाहिए।जीवाणु कल्चर को बीज या जैविक खादों के साथ मिलाकर मिट्टी में मिलाने पर खेत में इन जीवाणुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होती है और नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश आदि तत्वों की उपलब्धता में वृद्धि होती है। नाइट्रोजन हेतु राइजोबियम, एजेटोबैक्टर, एसेटोबैक्टर, तथा फोस्फोरस हेतु फोस्फेट घोलनशील जीवाणु कल्चर का प्रयोग किया जाता है। जैव-उर्वरक विभिनन्प्रकार के मिट्टी जनित रोगों के नियंत्रण में सहायक सिद्ध होते हैं। इसके अतिरिक्त जैव उर्वरकों से किसी भी प्रकार का प्रदुषण नहीं फैलता है और इसका कोई दुष्परिणाम भी देखने में नहीं आया है और न ही इसका प्रयोग करनेवालों पर इनका कोई दुष्प्रभाव देखा गया है। जैव-उर्वरकों के उपयोग करने से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी देखी जा सकती है। पिछले कुछ दशकों से निमन कुछ प्रमुख जैव-उर्वरकों का प्रयोग किसानों द्वारा किया जा है।

परीक्षा देकर घर जा रही छात्रा पिता सहित सड़क दुर्घटना में घायल

अखंड भारत संदेश

भदोही। सुरियावां भदोही मार्ग के कस्तूरीपुर बाजार में मंगलवार को आमने सामने बाइक की टक्कर हो जाने से पिता पुत्री एवं चालक घायल हो गए।घटना की जानकारी के अनुसार चौरी निवासी शिप्रा श्रीवास्तव सुरियांवा स्थित घनश्याम दुबे डिग्री कॉलेज में परीक्षा देकर घर वापस बाइक से अपने पिता माताप्रसाद श्रीवास्तव एवं चालक शुभम दुबे के साथ एक ही बाइक से घर जा रहे थे। कस्तूरीपुर बाजार के पास पहुंचे ही थे कि सामने आ रही बाइक से टक्कर हो जाने से तीनों गिर गए। और गंभीर रूप से घायल हो गए। नागरिकों ने सभी घायलों को ऑटो में बैठा कर सुरियांवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा है।

सड़क दुर्घटना में 35 वर्षीय युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

भदोही। सुरियावां थाना क्षेत्र के सुरियांवा-दुर्गागंज मार्ग के बाईपास के पास मंगलवार को बाइक चालक 35 वर्षीय रिंकू दुबे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सुरियावां थाना क्षेत्र के पूरेदरियाव (अभिया) निवासी रिंकू दुबे एवं पूरे खुशहाल निवासी राकेश दुबे बाइक से सुरियांव बाजार किसी कार्य सेआए थे। वापस घर जाते समय सुरियांव नगर के बाईपास के पास आगे जा रही बाइक की टक्कर से गिर गए। बाइक रिंकू दुबे चला रहे थे। पीछे राकेश दुबे बैठे थे। टक्कर इतना तेज था कि बाइक चला रहे रिंकू दुबे दुर फेंका गए और सर के बल गिरते ही घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे बैठे राकेश दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए जहां पर डॉक्टरों ने रिंकू दुबे को मृत घोषित कर दिया। वही राकेश दुबे का इलाज चल रहा है। इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल रहा।

मोबाइल पर गाना लगाने को लेकर ,हुई मारपीट मे घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

जारी। कौंधियारा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरावं उर्फ कठौली कंचनवा के मजरा जुगुल का पूरा मे सोमवार को देर शाम सोनू यादव पुत्र रामराज यादव व प्रियम सिंह पुत्र शिवपाल सिंह के बीच मोबाइल में ठउत्तर प्रदेश के सभी ठाकुर हमारे साले हैंठ गाने का स्टेटस लगाने को लेकर वाद विवाद के बाद मारपीट मे घायल सोनू यादव की इलाज के दौरान मंगलवार सुबह मौत हो गई जिससे घर में कोहराम मच गया एहतियातन गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई।

कौंधियारा थाना क्षेत्र के पिपरावं उर्फ कठौली कंचनवा के मजरा जुगुल का पूरा में सोमवार को देर शाम सोनू यादव व प्रियम सिंह के बीच मोबाइल परठ उत्तर प्रदेश के ठाकुर मेरे साले लगते हैंठगाने का स्टेटस लगाए जाने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई ।तैश में आकर प्रियम सिंह ने सोनू यादव 23 पुत्र रामराज के सर पर डंडे से हमला कर दिया जिससे सोनू सिंह घायल हो गया। स्वजन सोनू यादव को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौंधियारा ले गए जहां से हालत गंभीर देखते हुए स्वरूप रानी के लिए रेफर कर दिया गया। सोनू यादव के छोटे भाई संदीप यादव की तहरीर पर शिवपाल सिंह, प्रीतम सिंह ,प्रियम सिंह एवं श्याम सिंह सहित चार लोगों के खिलाफ देर रात कौंधियारा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह 8 बजे इलाज के दौरान स्वरूपरानी अस्पताल में सोनू सिंह की मौत हो गई ।मौत की खबर सुनकर घर में कोहराम मच गया ।शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एहतियातन गांव में कई थानों की फोर्स पहुच गई। दो लोगों को कौंधियारा पुलिस हिरासत में लिया है। मृतक सोनू यादव का एक वर्ष पूर्व स्थानीय थाना क्षेत्र के ही ग्राम पंचायत कुकुढी में पुष्पा देवी से शादी हुई थी।

कोतवाली क्षेत्र में चोरियो का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। कोतवाली क्षेत्र के खालियां सुजातपूर गांव में बीती रात चोरों द्वारा एक दलित के घर से दो हजार रुपया नगद व एक साइकिल सहित घरेलू सामान चुरा ले गए। घटना के संबंध में बताया जाता है की खलियां सुजातपुर गांव के हरिजन बस्ती में सुरेंद्र हरिजन का मकान है, जहां वह अपने परिवार के साथ सोया था। देर रात को किसी समय अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर बक्से में रखा दो हजार रूपया नगद और एक साइकिल सहित घरेलू सामान चोरी कर चोर फरार हो गए। जब सुबह उसने अपनी साइकिल नही देखी तो उसने घर में देखा तो बक्से में रखा दो हजार रूपया भी गायब था। और घर के सामान भी इधर-उधर बिखरे पड़े थे, जिसकी सूचना उसने कोतवाली में दे दी है। गांव के घनी बस्ती में चोरों द्वारा इस दुस्साहसी घटना से लोगों में दहशत व्याप्त है। लोगों ने पुलिस की निष्क्रियता पर आक्रोश जताते हुए गांव में पुलिस ड्यूटी लगाए जाने की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र में चोरियो का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा

गोपीगंज भदोही। कोतवाली क्षेत्र के खालियां सुजातपूर गांव में बीती रात चोरों द्वारा एक दलित के घर से दो हजार रुपया नगद व एक साइकिल सहित घरेलू सामान चुरा ले गए। घटना के संबंध में बताया जाता है की खलियां सुजातपुर गांव के हरिजन बस्ती में सुरेंद्र हरिजन का मकान है, जहां वह अपने परिवार के साथ सोया था। देर रात को किसी समय अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर बक्से में रखा दो हजार रूपया नगद और एक साइकिल सहित घरेलू सामान चोरी कर चोर फरार हो गए। जब सुबह उसने अपनी साइकिल नही देखी तो उसने घर में देखा तो बक्से में रखा दो हजार रूपया भी गायब था। और घर के सामान भी इधर-उधर बिखरे पड़े थे, जिसकी सूचना उसने कोतवाली में दे दी है। गांव के घनी बस्ती में चोरों द्वारा इस दुस्साहसी घटना से लोगों में दहशत व्याप्त है। लोगों ने पुलिस की निष्क्रियता पर आक्रोश जताते हुए गांव में पुलिस ड्यूटी लगाए जाने की मांग की है।

चोरी की एक अदद मोटरसाइकिल व गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। स्थानीय कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल वह नाजायज गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जाता है कि सोमवार को रात पुलिस द्वारा वाहनों की चेकिंग वह संदिग्ध व्यक्तियों की जांच पड़ताल की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास की सूचना पर कोतवाली क्षेत्र के कौलापुर के पास से संदिग्ध हालत में अभियुक्त अखिल गिरी उर्फ. अखिलेश गिरी पुत्र मुंशी उर्फ लालमणि गिरी निवासी बैजपुर थाना हण्डिया जनपद

प्रयागराज को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एक अदद मोटरसाइकिल ल्ज् 66 न् 6188 पैशनप्रो काले रंग की व 1 किलो 800 ग्राम गांजा बरामद किया गया। अभियुक्त का एक साथी लवकुश शुक्ला पुत्र जय शंकर शुक्ला निवासी केशवपुर लखनो थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही भागने में सफल रहा। जिसकी तलाश जारी है। उक्त गिरफ्तारी/ बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर क्रमशः मुकदमा अपराध संख्या-194/2021 धारा- 411,413, 414, 419, 420, 467, 468 भा0द0वि0 व मुकदमा अपराध संख्या- 195/ 2021 धारा- 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त का चालान न्यायालय को प्रेषित किया गया।

जनता के हक लड़ाई लड़ता रहूंगा- सुशील मिश्र

अखंड भारत संदेश

मेजा/प्रयागराज। जनता पार्टी ने सुशील मिश्रा को प्रदेश सह संयोजक कानून एवं विधि विभाग बनाए जाने को लेकर क्षेत्रीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। मंगलवार को सुशील मिश्रा का मेजा में प्रथम आगमन पर मेजारोड स्थित बीद यनद टीद कालेज परिसर में स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व ब्लाक प्रमुख मेजा प्रेम शंकर शुक्ला (मुनन्न शुक्ला) ने किया । कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संघ अध्यक्ष मनीष तिवारी ने किया। सुशील मिश्र के समर्थकों ने काफी गर्मजोसी से उनका स्वागत किया। सुशील मिश्रा ने उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए कहा ठमैं लड़ूंगा मेजा के हक की लड़ाईठ साथ ही कहा यह आज जो मुझे प्रदेश स्तर के पद से नवाजा गया है यह मेजा की जनता के आशीर्वाद एवं सन्हे से संभव हो पाया है। श्री मिश्र ने कहा मेजा का राजनीत में प्रदेश में अपना एक विशेष स्थान रहा है, हमेशा से राजनीति के दिशा एवं दशा को मेजा के बुद्धजीवी प्रभावित करते रहे है, आने वाले समय मे मेजा पुनः अपने राजनैतिक गौरव को हासिल करेगा। मेजा के विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा उसे शीर्ष नेतृत्व को अवगत करा के उसको पूर्ण करने का कार्य किया जाएगा। श्री मिश्रा ने पार्टी की नीतियों का

बखान किया , कार्यक्रम में आये हुए सभी लोगो के प्रति उन्होंने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष शिवदत्त पटेल, मेजा बार के पूर्व अध्यक्ष तुलसीदास तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी इन्जीनियर नित्यानंद उपाध्याय, ब्लाक प्रमुख मेजा प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्रा, श्रेयम भार्गव (क्षेत्रीय मंत्री युवा मोर्चा काशी प्रान्त), , पूर्व जिला उपाध्यक्ष जय शंकर पांडेय, पूर्व मदरा मुकुंदपुर प्रधान अनूप चन्द्र मिश्रा व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, हरिमोहन तिवारी लखनपुर, पूर्व प्रधान बऊ मिश्र, पूर्व प्रधान, बीद केद मिश्र , पूर्व प्रधान खानपुर अजित सिंह, किशन तिवारी ,सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

बैक और अस्पताल के नजदीक से ले जाया जा रहा हाई वोल्टेज तार

अखंड भारत संदेश

करछना। इन दिनो करछना मे सडक चौड़ीकरण को लेकर सडक के किनारे निर्माण कार्य जारी है।बिजली के खम्भो को हटाकर उसकी जगह नये खम्भे गाडे जा रहे है जो सरकारी कार्यालयो अस्पताल व लोगो के घरो और बाजार की दुकानो से सटे है।इन खम्भो पर 11 हजार वोल्टेज का खुला तार दौडाया जा रहा है जिसे लेकर स्थानीय लोगो को भय और गहरा आक्रोश है।इसे लेकर एक निजी अस्पताल के सचालक डाक्टर संजय कुमार दुबे,महेन्द्र मिश्र,भरत लाल,सरदार बहादुर सिह,अमरनाथ आदि लोगो ने उपजिलाधिकारी से शिकायत की है।लोगो का कहना है कि तार के समीप कई सरकारी कार्यालय दुकाने और घर है जो कभी खुले तार की जद मे आ सकते है।

अपने आवास पर प्रयागराज एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने की जनसुनवाई

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भाजपा एमएलसी तेजतर्रार प्रयागराज की शान माननीय सुरेंद्र चौधरी जी अपने आवास पर प्रदेश के विभिनन जनपदों से आए हुए जनता जनार्दन की बातों को सुने एवं तत्काल कार्यवाही करते हुए। अधिकारियों को दिशा निर्देश देकर फटकार लगाते हुए तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया।यह जनता दरबार प्रतिदिन अपने आवास पर बड़ी संख्या में आए हुए जनता अपनी अपनी शिकायत लेकर आते है

।इसका निराकरण माननीय जी द्वारा किया जाता है। एमएलसी सुरेंद्र चौधरी जी का यह कार्य बेहद सराहनीय है।जनता प्रसनन होकर जाती है।दुआ करती है।ऐसे ही एमएलसी सभी जनपद में होना चाहिए यह लोकप्रियता माननीय विधायक जी का देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है।की भारतीय जनता पार्टी जल्द ही उनको मंत्रालय में जगह देने की संभावना है। यदि मंत्रालय में होंगे तो जनता की सेवा और भली-भांति कर सकेंगे।

अपहृता किशोरी बरामद अपहर्ता को भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। तीन दिन पूर्व एक किशोरी का अपहरण करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद कर आरोपित को जेल भेज दिया। घूरपुर इलाके के एक गांव की किशोरी को गौहनिया का आरोपित युवक सैफ अली पुत्र मोहम्मद खालिक अपहरण कर लिया था।

परिजनो ने नामजद शिक़ायती पत्र दिया था। मंगलवार

की सुबह आरोपित युवक किशोरी के साथ इरादतगंज बस स्टैंड पर दिखा तो मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को दबोच किशोरी को बरामद कर लिया। पुलिस ने युवक को जेल भेज दिया और किशोरी को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भेजा।

सम्पादकीय

हम कब सुधरेंगे?

हाल ही में यूरोपियन यूनियन यूद्ध ने एक बड़ी योजना घोषित की है. फिट फॉर 55ए जिसका उद्देश्य यह है कि साल 2030 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर को 1990 के स्तर से 55 फीसदी नीचे ले आया जाए। योजना यह है कि इन्यू से संबंध रखने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बिजनेस करने के ढंग में ऐसा सकारात्मक बदलाव लाया जाएए जिससे उक्त लक्ष्य को साधने में आसानी हो। महाराष्ट्र में भारी बारिश से 150 के करीब मौत और हिमाचल प्रदेश के किननैर जिले में रविवार को हुआ भूस्खलन जितना त्रासद हैए उतना ही खौफनाक। लेकिन इसे महज एक हादसे के रूप में नहीं देखा जा सकता। भारत ही नहीं दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन और मौसम की बढ़ती अनियमितता से जुड़े ऐसे हादसे लगातार हो रहे हैंए जिन्हें कभी सदियों में एकाध बार होने वाली परिघटना माना जाता था। उत्तर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया हीट वेव और जंगलों की आग से त्रस्त हैं तो चीन और यूरोप में भीषण बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। ग्लेशियर पिघलने और समुद्र का जलस्तर बढ़ने से डूबने का खतरा झेल रहे छोटे.छोटे द्वीपों के निवासी अलग पूरी दुनिया से अपील कर रहे हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने का कोई उपाय जल्द से जल्द करें। इन सबका एक प्रभाव तो यह हुआ ही है कि कल तक जिन लोगों को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े सवाल दूर की कौड़ी लगते थेए उनमें से भी एक वर्ग को लगने लगा है कि इन सवालों पर बैठकों और बहसों में उलझे रहने के बजाय तत्काल ठोस कदम उठाने की जरूरत है। धीरे.धीरे ही सहीए पर इसका असर सरकारों के फैसलों और उनकी योजनाओं पर भी दिख रहा है।

हाल ही में यूरोपियन यूनियन ;इन्यूद्ध ने एक बड़ी योजना घोषित की है. फिट फॉर 55ए जिसका उद्देश्य यह है कि साल 2030 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर को 1990 के स्तर से 55 फीसदी नीचे ले आया जाए। योजना यह है कि इन्यू से संबंध रखने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बिजनेस करने के ढंग में ऐसा सकारात्मक बदलाव लाया जाएए जिससे उक्त लक्ष्य को साधने में आसानी हो। भारत को भी अभी से इन संभावित बदलावों के अनुकूल कदम उठाते हुए चलना चाहिए। हालांकि वैश्विक उत्सर्जन में भारत का हिस्सा अभी मात्र चार फीसदी है और वैकल्पिक ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने जैसे कदमों के रूप में उसने इस दिशा में शुरुआत कर दी है। मगर जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले हादसों की बढ़ती संख्या बताती है कि हमारे प्रयासों में काफी तेजी लाने की जरूरत है। अब भी पहाड़ी इलाकों में अधिक से अधिक बांध बनाने और सड़कें चौड़ी करने पर हमारा जोर कम नहीं हो रहा। योजनाकारों का एक हिस्सा मानता है कि पर्यावरण के नाम पर विकास की बलि देने से बेरोजगारी बढ़ेगी और इसलिए हमें विकसित देशों के दबाव में नहीं आना चाहिए। मगर सवाल किसी के दबाव में आने का नहींए यह समझने का है कि हमारे सामने चुनौती विकास और पर्यावरण में से किसी एक को चुनने की नहीं बल्कि विकास के ऐसे स्वरूप को स्वीकारने की हैए जो पर्यावरण के साथ फल.फूल सके और इस अर्थ में हमारे लिए टिकाऊ साबित हो।

मोदी-शाह से यूं मुकाबला नहीं कर पाएगी कांग्रेस

अवधेश कुमार

पंजाब से राजस्थान तक कांग्रेस की अंतर्कलह लगातार चर्चा में है। इसे आप सत्ता में हिस्सेदारी की लड़ाई मानिए या कुछ औरए पार्टी की दुर्दशा का यह प्रतिबिंब है। कांग्रेस के इतिहास में शायद ही कभी ऐसा हुआ होए जब इतने लंबे समय तक कोई पूर्णकालिक अध्यक्ष ही न हो। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अस्वस्थ सोनिया गांधी के हवाले है पार्टी। एक समय कांग्रेस के रणनीतिकार माने जाने वाले ऐसे वरिष्ठ नेताओं की संख्या लगातार बढ़ रही हैए जो पार्टी के भविष्य को लेकर चिंता प्रकट कर चुके हैं। मुखर और स्पष्ट न होते हुए भी इनमें सोनिया गांधी और उनके परिवार को लेकर असंतोष दिखता है। जी.23 कहलाने वाले समूह की संख्या दोगुनी होने की बात कही जा रही है। इनमें से ज्यादातर की चाहत यही है कि नीचे से ऊपर तक लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हो या अध्यक्ष का निर्वाचन पार्टी संविधान के अनुसार हो।

हार का सिलसिला ः मूल प्रश्न यह है कि कांग्रेस के सामने यह नौबत आई क्योंघ् असल में 2013 से कांग्रेस की पराजय का जो सिलसिला शुरू हुआए वह कुछेक अपवादों को छोड़ दें तो कभी थमा ही नहीं। सबसे लंबे समय तक देश का शासन चलाने वाली पार्टी को लगातार दो लोकसभा चुनावों में विपक्ष का नेता पद पाने लायक सीटें भी न मिलें तो हताशा स्वाभाविक है। जिन नेताओं ने पार्टी में परिवर्तन की मांग की या जो असंतोष प्रकट कर रहे हैंए वे सब बिल्कुल शांत होते अगर पार्टी किसी तरह से सत्ता के केंद्र में होती। आज जिन नेताओं को सोनिया गांधी और उनके परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस का भविष्य नहीं दिखताए उनमें से ज्यादातर ने 1998 में सीताराम केसरी को अपमानजनक ढंग से पार्टी कार्यालय से निकालकर सोनिया गांधी को पदस्थापित किया था। सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पहला चुनाव 1999 में लड़ा और उसने तब तक के इतिहास में सबसे कम 114 सीटें पाने का रेकॉर्ड बनाया। उस वक्त भी इन नेताओं को समस्या नहीं हुई क्योंकि कांग्रेस की कई राज्यों में सरकारें थीं और जो लोकसभा में नहीं आ सकते थे उन्हें राज्यसभा का प्रसाद मिल गया था। 2004 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए शासन के दौरान अगर पूरी सरकार की रीति नीति 10 जनपथ से निर्धारित होती थी तो भी इनमें से किसी ने ऐतराज नहीं किया क्योंकि सभी किसी न किसी रूप में सत्ता का आनंद ले रहे थे। व्यक्तिगत बातचीत में जो नेता आज राहुल गांधी को अयोग्यए अक्षम और अदूरदर्शी बता देते हैंए वे सब उनको मनमोहन सिंह की जगह प्रधानमंत्री बनाने की सिफारिश कर रहे थे। जाहिर हैए असंतोष के ये स्वर किसी सकारात्मक दूरगामी सोच से मुखरित नहीं हो रहे। अभी तक कोई ऐसा ठोस सुझाव नहीं आया जिसे देखकर लगे कि वाकई इससे कांग्रेस का भविष्य संवारने

में मदद मिल सकती है। नेताओं का एक समूह राहुल गांधी को अलग रखकर शरद पवार के नेतृत्व में यूपीए को फिर से खड़ा करने पर काम कर रहा है। इसमें कांग्रेस का भविष्य संवारने का चिंतन कहां है। कांग्रेस का संकट पुराना है। 1980 के चुनावों से ही वह लगातार परिस्थितियों के कारण सत्ता में वापस आती रही है। अगर जनता पार्टी के नेताओं के बीच फूट नहीं होती और 1977 में गठित सरकार 5 वर्ष चल जाती तो कांग्रेस की वापसी कठिन थी। 1984 में इंदिरा गांधी की निर्मम हत्या से उपजी सहानुभूति लहर में राजीव गांधी सर्वाधिक सीटों का रेकॉर्ड लेकर प्रधानमंत्री बने। मौका मिलते ही 1989 में जनता ने फिर कांग्रेस को खारिज किया। 1991 में राजीव गांधी की मृत्यु के पूर्व और उसके बाद हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की सीटों का अंतर साफ दिखाई देता है। यानी अगर राजीव गांधी की हत्या नहीं होती तो कांग्रेस उस समय 232 सीटें नहीं पाती। 2004 में बीजेपी के विरुद्ध संघ परिवार के ही अनेक संगठन काम कर रहे थे। बीजेपी की पराजय से कांग्रेस के सत्ता में आने का रास्ता प्रशस्त हुआए लेकिन उसे केवल 145 सीटें मिलीं। 2009 में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में अंदरूनी कलह से ग्रस्त बीजेपी लोगों के आकर्षण का कारण हो ही नहीं सकती थी। बावजूद इसकेए कांग्रेस को 206 सीटें मिलीं यानी बहुमत प्राप्त नहीं हुआ। सच यह है कि सक्षम विकल्प के अभाव में ही कांग्रेस को मौका मिलता रहा।

नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय क्षितिज पर आते ही विकल्पहीनता की स्थिति समाप्त हो गई और कांग्रेस अपनी स्वाभाविक नियति को प्राप्त हुई। कांग्रेस ने राम मंदिर के कारण हुए सांस्कृतिक.धार्मिक पुनर्जागरण और मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद बदले सामाजिक परिवेश को समझने और उसके अनुरूप वैचारिक एवं सांगठनिक बदलाव करने की कभी कोशिश ही नहीं की। आर्थिक भूमंडलीकरण एवं संचार क्रांति ने जनता की सोच एवं व्यवहार में जिस तरह का आमूल परिवर्तन लायाए जो जन आकांक्षाएं पैदा कींए उन सबको अभिव्यक्ति देने में कांग्रेस विफल रही। मोदी इन सबके सम्मिलित प्रतीक बनकर उभरे।

सामूहिक नेतृत्व ः जाहिर हैए आज यदि कांग्रेस को मोदी और अमित शाह की बीजेपी का सामना करते हुए प्रभावी राष्ट्रीय स्थान पाना है तो उसे विचारए व्यवहार और व्यक्तित्व तीनों स्तरों पर परिवर्तन करना होगा। इसमें नेतृत्व की भूमिका सर्वोपरि होगी। अध्यक्ष के रूप में ऐसा व्यक्तित्व चाहिएए जो वर्तमान भारत की बदली हुई मनोदशा और मोदी के कारण पैदा हुई राजनीतिक परिस्थिति को समझे और उसके अनुरूप सभी स्तरों पर संगठन के पुनर्निर्माण का साहस दिखाए। अगर नेतृत्व में अकेले ऐसा करने की क्षमता नहीं हो तो उसमें इतनी समझ हो कि योग्य और सक्षम व्यक्तियों का चयन कर सामूहिक नेतृत्व विकसित करे। यह नेतृत्व मंडली वैचारिक और सांगठनिक रूप से पुनर्निर्माण करने का संकल्प दिखाए तो थोड़ी उम्मीद बन सकती है। अगर पार्टी एक परिवार से या परिवार के आशीर्वाद से नेतृत्व तलाशने तक सीमित रही तो उसका पुनरुद्धार असंभव है।

ये एथलीट ओलिंपियन हैं, कोई रेस के घोड़े नहीं

रूपेश रंजन सिंह

शूटिंग में जब से अभिनव बिंद्रा ने ओलिंपिक्स में गोल्ड मेडल जीता हैए इस खेल से भारतीयों की उम्मीद अचानक से बहुत ज्यादा बढ़ गई। शूटर्स ने भी निराश नहीं किया। बिंद्रा के बाद ओलिंपिक्स में भारतीय निशानेबाजों ने और तीन मेडल जीते। इनमें दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज थाए लेकिन रियो ओलिंपिक्स में शूटर्स देश के लिए मेडल नहीं जीत सके। और अब तोक्यो पहुंचे शूटर्स की खराब शुरुआत ने विवाद का रूप ले लिया है। शूटिंग के पहले दिन भारत की ओर से गोल्ड मेडल के सबसे बड़े दावेदार सौरभ चौधरी उतरे थे। क्वॉलिफिकेशन में शीर्ष पर रहते हुए फाइनल के लिए पहुंचेए लेकिन यहां उनका निशाना चूक गया और सातवें स्थान पर ही ठहर गए। अपूर्वी चंदेला और इलावेनिल वालारिवन के एक अन्य स्पर्धा के फाइनल में भी क्वॉलिफाई नहीं कर पाने की खबर ने निराशा को हताशा में बदल दिया। फिर दूसरे दिन शूटिंग में जब भारत की एक और पदक की दावेदार मनु भाकर फाइनल के लिए क्वॉलिफाई करने में नाकाम रहींए तो ऐसा लगा फैंस के सब्र का बांध टूट गया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के लिए क्वॉलिफिकेशन के दौरान मनु के पिस्टल में तकनीकी खराबी आ गई। पिस्टल सही करवाने में उनके 17.18 मिनट जाया चले गए। जब मनु वापस लौटींए तो उन्हें स्पर्धा में बने रहने के लिए करीब 40 मिनट के भीतर 44 शॉट्स लेने थे। बहुत मुश्किल काम था यहए लेकिन फिर भी मनु ने जोरदार वापसी कीए 575 अंक बटोरे। शीर्ष आठ में शामिल आठवें नंबर की शूटर और मनु के टोटल में सिर्फ दो अंक का फासला था। यदि मनु आखिरी शॉट में दस अंक बटोर लेतींए तो वह फाइनल के लिए भी क्वॉलिफाई कर सकती थीं।

मनु के खिलाफ लोगों की प्रतिक्रिया से पूर्व वर्ल्ड नंबर वन महिला शूटर हिना सिद्धू खफा नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखाए ष्मनु की पिस्टल के साथ जो हुआए उससे उनका काफी समय जाया हो गया।ष् मनु के कोच रौनक पंडित ही हिना के पति हैं और उनसे सारी सारी स्थिति को समझने के बाद हिना ने आगे लिखाए ष्मनु दबाव में टूटी नहीं बल्कि इसके खिलाफ खड़ी हुईं। 34 मिनट के भीतर 575 का स्कोर मानसिक तौर पर उनकी जीत है। एथलीटों को संख्या के आधार पर आंकना बंद करेंए शायद यही एक चीज हैए जिसे आप समझ सकते हैं। प्रदर्शन को समझना शुरू करें। वहीं लंदन ओलिंपिक्स में महज कुछ अंकों से पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहने वाले शूटर जॉयदीप कर्माकर ने कहाए ष्मैं समझ सकता हूं कि जब एथलीटों से उम्मीदें होती हैंए तो भावनाएं उफान मारती ही हैं। लेकिन वे ष्रेस के घोड़ेष् नहीं हैं। यदि ओलिंपिक्स के इतर बरसों में हम उनकी खैर.खबर नहीं लेतेए तो फिर अब जब वे खेलों के उच्चतम स्तर पर आपका प्रतिनिधित्व कर रहे हैंए तो हमें उनका सम्मान करना चाहिए।

मनु और सौरभ अभी 20 साल के भी नहीं हुए हैं। फैंस को समझना होगा कि उनके करियर की यह शुरुआत भर है और बिंद्रा ने भी अपने तीसरे ओलिंपिक में जाकर गोल्ड जीता था। ओलिंपिक्स में हर किसी के हाथ मेडल नहीं लगताए लेकिन ताउम्र एथलीटों को इज्जत दिलाने के लिए ओलिंपियन का तमगा ही काफी रहता है।

ब्राह्मण सम्मेलन का नाटक

ब्रजकिशोर सिंह

मित्रोंए जब हम आईएएस की तैयारी कर रहे थे तो एक दिन अपनी कोचिंग के इतिहास के शिक्षक और इतिहास के उद्भट विद्वान ओमेन्द्र सर से पूछा था कि देश की आजादी के लिए सबसे ज्यादा फांसी पर कौन चढ़े थे तो उन्होंने बताया था कि ब्राह्मणण् साथ ही आन्दोलन का स्थानीय नेतृत्व पूरे भारत में उन्होंने ही किया थाण् फिर नंबर आता है क्षत्रियए कायस्थों और अन्य जातियों का मित्रोंए अगर हम आपसे पूछें कि देश की आजादी के बाद सबसे ज्यादा नुकसान किसको हुआ है तो निश्चित रूप से आप कहेंगे सवर्णों काण् आज सवर्णों की स्थिति इतनी ख़राब हैए वे इतने हाशिए पर जा चुके हैं कि न तो राजनीति में उनकी कोई पूछ है और न ही समाज में। मित्रोंए आपने इतिहास की किताबों में पढ़ा होगा कि 1918 में अंग्रेज सरकार रौलेट एक्ट लेकर आई थी जिसमें पहले गिरफ़्तारी और बाद में जाँच का प्रावधान थाण् सन 1989 में तत्कालीन राजीव गाँधी की सरकार ने एक कानून बनाया जो लगभग रौलेट एक्ट ही थाण् वह कानून था.अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति ;अत्याचार निरोधकद्ध अधिनियमए 1989ण् इस कानून में ऐसे प्रावधान हैं कि जैसे ही एससी.एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज होता है ऑख बंद कर सबसे पहले आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा फिर बाद में जाँच होगीण् जैसे स्कूल में पहले बच्चे को दण्डित कर दिया जाए बाद में पता लगाया जाए कि उसकी गलती थी या नहीं। मित्रोंए सन 1989 को अब 32 साल बीत चुके हैंण् पंचायत चुनावों से लेकर शिक्षण संस्थानों व ठेके तक में तमाम क्षेत्रों में आरक्षण के चलते अब एससी.एसटी समेत पिछड़ी जातियों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति वैसी नहीं रही जैसी 1989 में थीण् बल्कि कई अवर्णों के पास तो अपार धन.संपत्ति है जबकि सवर्णों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में कल्पनातीत गिरावट आई है और बहुत से लोग तो भूखों मर रहे हैंण् फिर भी एससी.एसटी एक्ट ज्यों.का.त्यों हैण् आरक्षण और फीस में छूट भी वैसे ही हैण् यहाँ मैं आपको बता दूं कि 1989 में भी बहुत.से सवर्ण पूरी तरह से भूमिहीन थे और उनकी आर्थिक के साथ.साथ सामाजिक स्थिति भी एससी.एसटी से बेहतर नहीं थीण् फिर भी राजीव गाँधी जो अपनी मूर्खता के लिए विश्व प्रसिद्ध थे यह कानून लेकर आएण् जाहिर है वजह वोट बैंक थाण् आजादी के बाद भी राष्ट्र प्रथम की सोंच रखने के कारण सवर्णों ने सबसे ज्यादा परिवार नियोजन करवाया इसलिए उनकी जनसंख्या में हिस्सेदारी लगातार घटती रही इसलिए भी वोट बैंक के रूप में उनका महत्व क्रमशः घटता गयाण् साथ ही हर जगह आरक्षण होने से सामाजिक प्रभाव में तो गिरावट आई ही। मित्रोंए इस बारे में मुझे एक घटना याद आ रही हैण् जब 2005 में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने तो तब के उनके मुख्य सहायक श्री शिवानन्द तिवारी ने उनसे कहा था कि बांकियों की चिंता करिए सवर्णों की चिंता करने की कोई जरुरत नहीं हैण् वे तो बिहार का विकास देखकर ही आपको वोट दे देंगेण् और ऐसा हुआ भीण् इसी से समझ सकते हैं कि सवर्ण आज भी अपने से ज्यादा देश.प्रदेश का भला चाहते हैं।

मित्रों आज एक गरीब ब्राह्मण जिस नौकरी के आवेदन के लिए 1000 रूपये की फ़ीस देता है करोड़पति एससी.एसटी को कभी.कभी तो एक पैसा भी नहीं देना पड़ता हैण् यह कैसा न्याय है और कैसी समानता हैघ् क्या यह अत्याचार नहीं हैघ् क्या समय के साथ आरक्षण और फीस सम्बन्धी प्रावधानों को बदलना नहीं चाहिएघ् रही बात एससी.एसटी एक्ट की तो चूंकि आज एससी.एसटी बड़ी संख्या में मुखिया.सरपंच.अधिवक्ता.अधिकारी बन चुके हैं इसलिए इस कानून का सदुपयोग तो हो नहीं रहा दुरुपयोग जरूर हो रहा है और जमकर हो रहा हैण् कई बार तो एससी.एसटी जाति के लोग सवर्णों को पीटते भी हैं और इस एक्ट की सहायता से उनको जेल भी भिजवा देते हैं।

मित्रोंए कई साल पहले आराए बिहार में एक महादलित बीडीओ ने एक पत्रकार पर चुपके से एससी.एसटी एक्ट के तहत मुकदमा इसलिए दर्ज करवा दिया क्योंकि उसने उनका घोटाला पकड़ लिया थाण् अचानक बेचारे की गिरफ़्तारी भी हो गईण् बाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने मामला संज्ञान में आने के बाद उसे जेल से बाहर निकलवायाण् अब आप ही बताईए कि जब पत्रकार की ऐसी हालत कर दी गई तो बीडीओ साहब का आम सवर्ण या पिछड़ों के प्रति क्या रवैया रहता होगा। मित्रोंए इस बीच 20 मार्च 2018 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने स्वतरू संज्ञान लेकर एससीध्एसटी एक्ट में आरोपियों की शिकायत के फौरन बाद गिरफ़्तारी पर रोक लगा दी । शिकायत मिलने पर एफआईआर से पहले शुरुआती जांच को जरूरी किया गया था। साथ ही अंतरिम जमानत का अधिकार दिया था। तब कोर्ट ने माना था कि इस एक्ट में तुरंत गिरफ़्तारी की व्यवस्था के चलते कई बार बेकसूर लोगों को जेल जाना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था. गिरफ़्तारी से पहले शिकायतों की जांच निर्दोष लोगों का मौलिक अधिकार है। लेकिनए 9 अगस्त 2018 को फैसले के खिलाफ अति हिंसक प्रदर्शनों के बाद केंद्र सरकार एससीध्एसटी एक्ट में बदलावों को दोबारा लागू करने के लिए संसद में संशोधित बिल लेकर आई। इसके तहत एफआईआर से पहले जांच जरूरी नहीं रह गई। जांच अफसर को गिरफ़्तारी का अधिकार मिल गया और अग्रिम जमानत का प्रावधान हट गया। आश्चर्यजनक तो यह रहा कि किसी भी सवर्ण सांसद ने न तो लोकसभा में और न ही राज्यसभा में इस अन्यायपूर्ण संशोधन का विरोध किया। मित्रोंए बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 6 नवम्बरए 2020 को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि उच्च जाति के किसी व्यक्ति को उसके कानूनी अधिकारों से सिर्फ इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता है क्योंकि उस पर अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति ;ैब्ध्ैज्द्ध के किसी व्यक्ति ने आरोप लगाया है। जस्टिस एलण् नागेश्वर राव की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहाए ष्एससीध्एसटी ऐक्ट के तहत कोई अपराध इसलिए नहीं स्वीकार कर लिया जाएगा कि शिकायतकर्ता अनुसूचित जाति का हैए बशर्ते यह यह साबित नहीं हो जाए कि आरोपी ने सोच.समझकर शिकायतकर्ता का उत्पीड़न उसकी जाति के कारण ही किया है।ष् एसटीध्एसटी समुदाय के उत्पीड़न और उच्च जाति के लोगों के अधिकारों के संरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी काफी क्रांतिकारी मानी जा रही है। तीन सदस्यीय पीठ की तरफ से लिखे फैसले में जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि उच्च जाति के व्यक्ति ने एससीध्एसटी समुदाय के किसी व्यक्ति को गाली भी दे दी हो तो भी उस पर एससीध्एसटी ऐक्ट के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती है। हांए अगर उच्च जाति के व्यक्ति ने एससीध्एसटी समुदाय के व्यक्ति को जान.बूझकर प्रताडि़त करने के लिए गाली दी हो तो उस पर एससीध्एसटी ऐक्ट के तहत कार्रवाई जरूर की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि जब तक उत्पीड़न का कोई कार्य किसी की जाति के कारण सोच.विचार कर नहीं किया गया हो तब तक आरोपी पर एससीध्एसटी ऐक्ट के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती हैण् सर्वोच्च अदालत ने कहा कि उच्च जाति का कोई व्यक्ति अगर अपने अधिकारों की रक्षा में कोई कदम उठाता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसके ऊपर स्वतः एससीध्एसटी ऐक्ट के तहत आपराधिक कृत्य की तलवार लटक जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व के फैसलों पर फिर से मुहर लगाते हुए कहा कि एससीध्एसटी ऐक्ट के तहत उसे आपराधिक कृत्य ठहराया जा सकता है जिसे सार्वजनिक तौर पर अंजाम दिया जाएए न कि घर या चहारदिवारी के अंदर जैसे प्राइवेट प्रेस में। मित्रोंए फिर भी इसमें संदेह नहीं कि आज भी इस कानून का जमकर दुरुपयोग हो रहा हैण् झूठे गवाह जुटा लेना अपने देश में कोई बड़ी बात नहीं हैण् अभी यूपी में चुनाव होने हैं और यूपी में ब्राह्मणों की अच्छी.खासी संख्या है इसलिए सारे दल ब्राह्मण सम्मलेन आयोजित कर रहे हैंण् इनमें वह दल भी शामिल है जिसने देशभर में तोड़.फोड़कर सुप्रीम कोर्ट के 20 मार्चए 2018 के फैसले को पलटवायाण् आज सवर्ण और पिछड़े एससी.एसटी को मकान.दूकान किराए पर देने से डरने लगे हैंण् साथ ही उनको नौकरी देने में लोग डरते हैंण् एक तो भलाई करो फिर जेल भी जाओ।

मित्रोंए किसी देश का कानूनए व्यवस्था को बनाए रखने और समाज में शांति का माहौल बनाने में मदद कर करता है लेकिन जब किसी कानून का इस्तेमाल एक वर्ग द्वारा अन्य वर्ग के विरुद्ध अपने फायदे के लिए होने लगता है तो फिर उस कानून में बदलाव की आवश्यकता होती है। पिछले दिनों एक खबर आयी कि एक व्यक्ति विष्णु तिवारी नामक ललितपुर का ब्राह्मण ैब्ध्ैज् एक्ट के तहत बलात्कार के आरोप में 20 वर्षों से सश्रम कारावास में आगरा केंद्रीय कारागार में कैद था अब जा कर निर्दोष साबित हुआ है। आखिर हमारे देश का कानून किस प्रकार से उस व्यक्ति के गुज़रे हुए 20 वर्ष वापस कर सकता हैघ् यह तो सिर्फ एक उदाहरण हैए ऐसे ना जाने कितने उदाहरण देश में भरे पड़े है जो न केवल यह दिखाते हैं कि कैसे ैब्ध्ैज् का दुरुपयोग होता है बल्कि उसका इस्तेमाल आपसी रंजिश के कारण भी किया जा रहा है। दरअसलए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने हाल ही में ैबीमकनसमक ब्ंेजमे दक जीमे ैबीमकनसमक ज्तपइमे ;च्तमअमदजपवद वि ।जतवबपजपमेद्ध ।बजए 1989 ;ट्पीदन अण्ै जंजम व्न्द्ध के तहत बलात्कारए आपराधिक धमकी जैसे आरोपों के कारण 20 साल से जेल में बंद एक व्यक्ति को आरोप मुक्त किया है। डॉण् कौशल जयेंद्र ठाकर और गौतम चौधरी की पीठ ने एक ऐसे व्यक्ति को बरी कर दिया जो झूठे बलात्कार और दलित अत्याचार मामले में बीस साल से अधिक समय तक जेल में रहा। रिपोर्ट के अनुसारए अदालत ने पाया कि घटना की तारीखए यानी 16ण्09ण्2000 से आरोपी जेल में है यानी 20 साल से। उस व्यक्ति को आईपीसी की धारा 376ए 506 और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति ;अत्याचार निवारणद्ध अधिनियम की धारा 3 ;1द्ध ;गपपद्ध के साथ धारा 3 ;2द्ध ;अद्ध के तहत गिरफ़्तार किया गया थाण् अब जाकर कोर्ट ने तथ्यों और चिकित्सा रिपोर्टों को सुनते हुए मामले को खारिज कर दिया और आरोपी को आपसी रंजिश का शिकार पायाण् मेडिकल रिपोर्ट में चोटों और यौन हमले का कोई संकेत नहीं है। इसके अलावाए अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता ने शिकायत एक ही मकसद के कारण की थी। दोनों पक्षों के बीच पहले से भूमि विवाद था जिसके कारण अभियोजन पक्ष ने यौन उत्पीड़न के मामले को दायर किया। मित्रोंए सुनवाई के दौरानए अदालत ने दोहराया कि अगर कोई भूमि विवाद में हैं तो उस व्यक्ति के खिलाफ ैब्ध्ैज् अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती है। कोर्ट के अनुसारए श्हमारी जाँच पड़ताल मेंए चिकित्सा प्रमाण यह स्पष्ट करते है कि डॉक्टर को किसी भी प्रकार का शुक्राणु नहीं मिला था। डॉक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि जबरन संभोग का भी कोई संकेत नहीं मिला और ना ही किसी प्रकार की अंदरूनी चोट थी।श् रिकॉर्ड पर तथ्यों और सबूतों के मद्देनज़रए अदालत ने आश्वस्त किया था कि आरोपी को गलत तरीके से दोषी ठहराया गया हैए इसलिए आदेश को बदल कर आरोपी को बरी कर दिया गयाण् बता दें कि इकोनोमिक टाइम्स कि रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने बताया था कि 2016 में ैब्ध्ैज् एक्ट के अंदर 8900 केस गलत थे। राजस्थान पुलिस के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसारए अनुसूचित जाति और जनजाति ;अत्याचार निवारणद्ध अधिनियमए 1989 के तहत 2020 में राजस्थान के अंदर 40 प्रतिशत से अधिक मामले फर्जी पाए गए। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2018 में यह कहा था कि ये निर्दोष नागरिकों और पब्लिक सर्वेंट को श्ब्लैकमेलश् करने का एक साधन बन गया है। 1989 अधिनियम न सिर्फ निर्दोष को दंडित करता है और यहां तक कि संदिग्ध अपराधियों को अग्रिम जमानत भी नहीं देता। फिर अदालत ने कहा कि कानून का इस्तेमाल केवल शिकायतकर्ता की शिकायत मात्र से आरोपी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लूटने के लिए किया जाता है। यानी देखा जाए तो इस कानून का जितना उपयोग होता हैए उससे अधिक दुरुपयोग होता है। एक व्यक्ति के जीवन के 20 वर्ष जेल में ही गुजर गये वो भी केवल झूठे आरोपों के आधार परए इससे बड़ी विडंबना शायद ही हो सकती है। इतना ही नहीं मुकदमे में सारी जमीन तक बिक गई और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करना पड़ाण् इस दौरान परिजनों ने भी उसकी सुध नहीं ली। मित्रोंए उसकी जवानी के वो बीस सालए जब वो अपनी मेहनत और कोशिशों से अपने और अपने परिवार के लिए जमाने भर की खुशियां खरीद सकता थाए वो बीस साल उसे कौन वापस करेगाघ् जो उसने बगैर किसी गुनाह के ही सलाखों के पीछे निकाल दिएण् उसकी जवानी के वो बीस सालए जब वो अपनी मेहनत और कोशिशों से अपने और अपने परिवार के लिए जमाने भर की खुशियां खरीद सकता थाए वो बीस साल उसे कौन वापस करेगाघ् उसे उसके मां.बाप कौन लौटाएगाए जो जवान बेटे के गम के तड़प.तड़प कर इस दुनिया से दूर चले गएण् उसे उसके उन दो बड़े भाइयों से कौन मिलवाएगाए जिन्हें विष्णु का इंतज़ार भरी जवानी में लील गयाण् सबसे बडी॰ विसंगति तो यह रही कि विष्णु चीख.चीख कर कहता रहा कि वो नाबालिग हैए 17 साल का है लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गई

अफगानिस्तान को अपनी लड़ाई खुद लड़ने दें

अशोक मधुप

अफगानिस्तान में नाटो देश विशेषकर अमेरिका की सेना की वापसी के बाद हालात बिगड़ते जा रहें हैं। तालिबान का प्रभुत्व बढ़ा है। तालिबान के बढ़ते प्रभुत्व को देखकर दुनिया के देश चिंतित है।भारत इसलिए चिंतित है क्योंकि अफगानिस्तान के विकास में उसने खरबों डालर का विनिवेश किया हुआ है।भारत सरकार और कूटनीतिज्ञ अफगानिस्तान के हालात पर नजर रखे हैं। इधर -उधर से ऐसी चर्चाए मिल रही हैं कि भारत अफगानिस्तान में अपनी सेना भेज सकता है।ऐसे माहौल में अमेरिका के विदेश मंत्री के मंगलवार को भारत आ रहे हैं। अफगानिस्तान के सेना प्रमुख भी इसी सप्ताह भारत आ रहे हैं। अफगानिस्तान को लेकर 28 जुलाई को आज इनकी भारत के विदेश मंत्री के साथ और उसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से बात होंगी।यह भी संभावना है कि तालिबान से निपटने में वह भारत से सेना की मदद मांग सकते हैं। कहा जा सकता है कि वह अफगानों की मदद को सेना भेजेएजबकि लगता है कि भारत ऐसा करेगा नहीं। अफगानिस्तान में रूस की सेनाएं लंबे समय तक रहीं। कामयाबी न मिलती देख उसे अपने भारी भरकम हथियार छोड़कर वापस आना पड़ा। अमेरिकी समेत नाटों देशों की सेनाएं भी 20 साल अफगानिस्तान में तैनात रहीं ए पर लादेन के खात्मे के अलावा कुछ ज्यादा नहीं कर सकीं। अफगानिस्तान एक ऐसी अंधेरी गुफा का रूप ले चुका हैए जिसमें प्रवेश करना तो सरल हैए पर निकलना नहीं। रूस की अफगानिस्तान में मौजूदगी के दौरान अमेरिका वहां के आंतकवाद को मदद दे रहा था। पाकिस्तान अफगानिस्तान के तालिबान को लड़ाकू की ट्रैनिंग देने में लगा था।अमेरिका पहुंचाए तो रूस तो उसका विरोध कर ही रहा था। अमेरिका को इस्लामिक देश भी बर्दास्त करने को तैयार नहीं थे। दुनिया के मुस्लिम समाज में अमेरिका की छवि मुस्लिम विरोधी बन गई है।इराक और वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन का पतन वे भूले नहीं हैं। इस का कारण यह रहा कि अमेरिका के ट्रेड सेंटर पर हमले को अधिकतर मुस्लिम समाज ने जायज माना।कहा कि दुनिया का दादा बनता था। अब पता चला।ट्रेड सैंटर पर हमले का बदला लेने के लिए अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपनी सेना उतारीं और ओसामा बिन लादेन के पतन तक वह खामोश नहीं बैठा। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी ताकत हैए इसलिए ओसामा बिन लादेन के मरने पर इस्लामिक समाज बोला तो कुछ नही। किंतु उसे यह हत्या गहरा घाव जरूर दे गई। इसका मानना यह रहा कि ओसामा बिन लादेन ही ऐसा थाए जिसने अमेरिका को घर में घुसकर ठीक किया था। महाभारत एक घटना थी। एक युद्ध था। उसमें बहुत सारे योद्धा किसी न किसी ओर से शामिल थे। पर यह भी सत्य है कि उस युद्ध में सबके अपने लक्ष्य थे। अपने दुश्मन।ऐसा ही आज अफगानिस्तान में है। वहां जो देश अफगानी फौज के साथ खड़ा होता हैए उसका विरोधी देश- शक्ति वहां के आतकवांदी संगठनों के साथ चला जाता है।

भारतीय तीरंदाजों के पास ओलंपिक में खुद को साबित करने का होगा आखिरी मौका

तोक्यो (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज तोक्यो ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं से बाहर होने की निराशा को दूर कर बुधवार को यहां होने वाली व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं की कठिन चुनौतियों का सामना करेंगे। ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं में मुकाबले में 16 टीमें होती है ऐसे में वहां पदक जीतने की संभावना अधिक होती है। भारत हालांकि पुरुष टीम और मिश्रित युगल में कोरिया की टीमों से हार कर बाहर हो गया। रैंकिंग क्वालीफिकेशन में प्रवीण जाधव, अतनु दास और तरुणदीप राय के खराब प्रदर्शन ने उन्हें इस खेल की महाशक्ति माने जाने वाले कोरिया के खिलाफ खड़ा कर दिया, जिसकी टीमों ने क्वार्टर फाइनल में पुरुष और मिश्रित जोड़ी दोनों टीमों को बाहर कर दिया। नॉकआउट चरण में भारतीय तीरंदाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था और उनका औसत स्कोर 9.12 (10 अंक में से) था।

इस मामले में कोरिया, चीनी ताइपे और नीदरलैंड ने ही भारत से बेहतर प्रदर्शन किया था। टीम को यहां रैंकिंग दौर में खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा जिसे शुरुआत के कुछ दौर में ही मजबूत टीमों का सामना करना पड़ा। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में 64 तीरंदाज चुनौती पेश करते है ऐसे में यहां उन्हें दोगुनी मेहनत करनी होगी। पदक हासिल करने के लिए उन्हें कम से कम पांच मुकाबले जीतने होंगे। ओलंपिक में कोई भी भारतीय अभी तक प्री-क्वार्टर फाइनल की बाधा को पार करने में कामयाब नहीं हुआ है, लेकिन तीरंदाजों की लय को देखते हुए अगर वे इससे आगे बढ़ने में सफल रहते है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें दुनिया की नंबर एक महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी से होगी, जो लगातार तीसरी बार ओलंपिक में चुनौती पेश कर रही है। शानदार लय में चल रहे प्रवीण जाधव के प्रदर्शन पर भी नजरें होंगी। ओलंपिक पदार्पण कर रहे जाधव को दुनिया के दूसरे नंबर के तीरंदाज गालसन बजरझापोव (रूस) के खिलाफ लगातार सटीक निशाना लगाना होगा। पुरुष वर्ग में पहले ही मंगलवार को उस समय बड़ा उलटफेर हुआ जब शीर्ष वरीयता प्राप्त 17 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी किम जे देवक को जर्मनी के फ्लोरियन उनरूह ने दूसरे दौर में हरा दिया।

दीपिका अपने अभियान की शुरुआत भूटान की कर्मा के खिलाफ करेंगी। विश्व रैंकिंग में 193वें स्थान पर काबिज कर्मा ओलंपिक उद्घाटन समारोह में अपने देश की ध्वजवाहक थी। मिश्रित टीम स्पर्धा में शनिवार को दीपिका का प्रदर्शन निराशाजनक था। वह क्वार्टर फाइनल में कोरिया के खिलाफ 10 अंक वाला एक भी निशाना लगाने में असफल रही थी। तीन दिन के ब्रेक के बाद हालांकि वह बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। पुरुष वर्ग की तरह अगर कोई उलटफेर नहीं हुआ तो शुरुआती दौर के बाद दीपिका का सामना कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त अन सान से हो सकता है, जिन्होंने रैंकिंग दौर में 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। यह दोनों खिलाड़ी दो साल पहले युमेनोशिमा पार्क के उसी स्थान पर 'तोक्यो2020 टेस्ट इवेंट' के फाइनल में एक दूसरे का सामना कर चुके है जहां सान ने सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। भारतीय दल में सबसे ज्यादा निराश अतनु दास ने किया। वह रैंकिंग दौर में 35वें स्थान पर रहने के बाद मिश्रित जोड़ी वर्ग की टीम से बाहर हो गये थे और उनकी जगह जाधव को मौका दिया गया था।

अप्रैल में ग्वाटेमाला सिटी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले दास अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए बेताब होंगे। दास अपने शुरुआती दौर में चीनी ताइपे के देंग यू-चेंग से भिड़ेंगे। यह सेना के अनुभवी तरुणदीप राय के लिए यह एक भावनात्मक मामला होगा। एथेंस (2004) में खेलों में पदार्पण करने के 17 साल बाद अपने आखिरी ओलंपिक मुकाबले के लिए वह तैयार हैं। उनका सामना यूक्रेन के ओलेक्सी हुनबिन से होगा। उनकी कोशिश अपने अभियान को शानदार तरीके से खत्म करने की होगी। राय ने कहा, '' मैं अपने करियर के अंतिम लक्ष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं जो देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है।रैंकिंग क्वालीफिकेशन में प्रवीण जाधव, अतनु दास और तरुणदीप राय के खराब प्रदर्शन ने उन्हें इस खेल की महाशक्ति माने जाने वाले कोरिया के खिलाफ खड़ा कर दिया, जिसकी टीमों ने क्वार्टर फाइनल में पुरुष और मिश्रित जोड़ी दोनों टीमों को बाहर कर दिया।

तोक्यो। भारतीय तीरंदाज तोक्यो ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं से बाहर होने की निराशा को दूर कर बुधवार को यहां होने वाली व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं की कठिन चुनौतियों का सामना करेंगे। ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं में मुकाबले में 16 टीमें होती है ऐसे में वहां पदक जीतने की संभावना अधिक होती है। भारत हालांकि पुरुष टीम और मिश्रित युगल में कोरिया की टीमों से हार कर बाहर हो गया। रैंकिंग क्वालीफिकेशन में प्रवीण जाधव, अतनु दास और तरुणदीप राय के खराब प्रदर्शन ने उन्हें इस खेल की महाशक्ति माने जाने वाले कोरिया के खिलाफ खड़ा कर दिया, जिसकी टीमों ने क्वार्टर फाइनल में पुरुष और मिश्रित जोड़ी दोनों टीमों को बाहर कर दिया।

ओलंपिक चैम्पियन जिमनस्ट सिमोन बाइल्स चोट के कारण टीम फाइनल्स से बाहर

टोक्यो (एजेंसी)। अमेरिका की ओलंपिक चैम्पियन जिमनस्ट सिमोन बाइल्स वॉल्ट के दौरान चोट लगने से टोक्यो ओलंपिक टीम फाइनल्स से बाहर हो गई हैं। अमेरिका की 24 साल की स्टार जिमनस्ट को इस खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे वॉल्ट के दौरान कूदने के बाद एक ट्रेनर से टकरा गईं, जिसके बाद उन्हें डॉक्टरों की टीम के साथ प्रतिस्पर्धा स्थल से जाना पड़ा।

कुछ मिनट बाद वे वापस आईं तो दाहिने पैर पर पट्टी बंधी थी। उन्होंने अपनी टीम के साथी खिलाड़ियों को गले लगाया और जैकेट तथा स्वेटपैंट पहनी। अमेरिकी टीम को उनके बिना ही अब बाकी प्रतिस्पर्धा खेलनी होगी, जिससे लगातार तीसरा ओलंपिक खिताब जीतने की उनकी उम्मीदों को करारा झटका लगा है। अमेरिकी टीम ने फाइनल्स वॉल्ट से शुरू किया और बिलेस आखिरी स्थान पर उतरीं।

उन्हें 'अमानार वॉल्ट' करना था, जिसमें जिमनस्ट कूदकर हवा में ढाई बार घूम जाता है। बिलेस ने हवा में रहते हुए ही अपना मन बदला और डेढ़ बार ही घूमीं। उसके बाद पोडियम से उतरकर टीम डॉक्टर मासिन्या फॉस्टिन के साथ चली गईं। अमेरिकी जिमनस्टिक्स ने बताया नहीं है कि बिलेस को क्या 'मेडिकल समस्या' है, लेकिन एक बयान में कहा गया कि भावी स्पर्धाओं के लिए उनका रोज मेडिकल टेस्ट किया जाएगा।

मोरक्को के मुक्केबाज ने प्रतिद्वंद्वी का कान काटने की कोशिश की, बाल-बाल बचे डेविड न्याका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोरक्को के मुक्केबाज ने प्रतिद्वंद्वी का कान काटने की कोशिश की।नुस को जजों के सर्वसम्मत निणय से हार का सामना करना पड़ा और न्याका क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये। यूनुस ने हालांकि माउथ गार्ड (दांतों को चोट से बचाने वाला कवच)पहना था, जिस कारण न्याका के कान के पास उनके दांतों का निशान नहीं बना।तोक्यो। मोरक्को के एक हैवीवेट मुक्केबाज (91 किग्रा) ने तोक्यो ओलंपिक में अपने शुरुआती मुकाबले में न्यूजीलैंड के प्रतिद्वंद्वी के कान को काटने की कोशिश की।

यूनुस बल्ला ने तीसरे दौर के मुकाबले में माइक टायसन की तरह रिंग डेविड न्याका के कान के पास काटने की कोशिश की। युनुस को जजों के सर्वसम्मत निणय से हार का सामना करना पड़ा और न्याका क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये। यूनुस ने हालांकि माउथ गार्ड (दांतों को चोट से बचाने वाला कवच)पहना था, जिस कारण न्याका के कान के पास उनके दांतों का निशान नहीं बना।न्याका ने कहा, '' वह पूरी तरह से काटने में सफल नहीं हुआ। मेरी किस्मत अच्छी थी कि उसने माउथगार्ड पहना था और यह उतना गंभीर नहीं था। मुझे लगता है वह मेरी गाल पर काटना चाहता था।'' रेफरी हालांकि इस घटना को नहीं देख सकें जिससे यूनुस को बाउट के दौरान दंडित नहीं किया गया था।

यह टेलीविजन कैमरे की पकड़ में आ गया। टायसन ने 1997 में इवांडर होलीफील्ड के कान को दो बार काटा था। इस घटना ने काफी सुखिर्यां बटोरी थी।

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली देश की पहली मुक्केबाज बनी लवलीना बोरगोहेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेबल टेनिस के पुरुष एकल के तीसरे दौर में अनुभवी शरत कमल ने गत विश्व और ओलंपिक चैंपियन चीन के मा लोंग के खिलाफ शिकस्त के बावजूद अपने प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। भारत के लिए दिन का पहला नतीजा असाका रेंज से आया। तोक्यो। भारत के लिये निशानेबाजी में सबसे बड़ी पदक उम्मीद मनु भाकर और सौरभ चौधरी की जोड़ी के नाकाम रहने से पदक का इंतजार मंगलवार को भी जारी रहा लेकिन पुरुष हॉकी टीम ने पिछले मैच में करारी हार से उबरकर स्पेन को शिकस्त दी जबकि महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) तोक्यो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली देश की पहली मुक्केबाज बनी। बैडमिंटन में सात्विकसाईराज

रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी दुर्भाग्यशाली रही और पुरुष युगल के तीसरे मैच में दूसरी जीत दर्ज करने के बावजूद नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गई।

टेबल टेनिस के पुरुष एकल के तीसरे दौर में अनुभवी शरत कमल ने गत विश्व और ओलंपिक चैंपियन चीन के मा लोंग के खिलाफ शिकस्त के बावजूद अपने प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। भारत के लिए दिन का पहला नतीजा असाका रेंज से आया।सौरभ चौधरी और मनु भाकर की जोड़ी को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन क्वालीफिकेशन के पहले चरण में शीर्ष पर रहने के बाद दूसरे चरण में यह जोड़ी लय में नहीं दिखी और आखिर में उन्हें 380 के कुल स्कोर के साथ सातवें स्थान से संतोष करना पड़ा। इस भारतीय जोड़ी ने पहले चरण में 582 अंक बनाये थे। सौरभ और मनु ने शुरू में कुछ उम्मीदें जगायी थी लेकिन सौरभ को मनु से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला जिससे टीम की पदक की उम्मीदें समाप्त हो गयी।

सौरभ ने दूसरे चरण में 194 (96 और 98) अंक बनाये लेकिन मनु 186 (92 और 94) अंक ही बना सकी। इस तरह से यह भारतीय जोड़ी 380 के कुल स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही। अभिषेक वर्मा और यशस्विनी सिंह देसवाल की एक अन्य भारतीय जोड़ी इस स्पर्धा के पहले चरण में 564 अंक के साथ 17वें स्थान पर रहने के कारण शुरू में ही बाहर हो गयी। चोटी की आठ टीमें ही दूसरे चरण के क्वालीफिकेशन में प्रवेश करती हैं।भारत की दो जोड़ियों ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी हिस्सा लिया था लेकिन वे क्वालीफिकेशन के पहले चरण से भी आगे नहीं बढ़ पायी। इलावेनिल वालारिवान और दिव्यांश सिंह पंवार की जोड़ी 626.5 अंक बनाकर 12वें तथा अंजुम मोदगिल और दीपक कुमार की जोड़ी 623.8 अंक बनाकर 29 जोड़ियों के बीच 18वें स्थान पर रही। ओलंपिक में पहली बार मिश्रित टीम स्पर्धाओं को शामिल किया गया है। निशानेबाजी रेंज की निराशा को पुरुष हॉकी टीम ने कुछ हद तक दूर किया जिसने ड्रैगफ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह के दो गोल की बदौलत पूल ए के अपने तीसरे मैच में स्पेन को 3-0 से हराया।

मीराबाई चानू का इंफाल एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत, सीएम एन बीरेन सिंह रिसीव करने पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में अभी तक भारत को एकमात्र मेडल दिलाने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू भारत वापस लौट आई हैं। मंगलवार को अपने घर इंफाल पहुंची। इंफाल एयरपोर्ट पर चानू का भव्य स्वागत किया गया।

उनको लेने के लिए एयरपोर्ट पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पहुंचे। उनके स्वागत के लिए कई लोग वहां मौजूद थे। लोगों ने उनकी एक झलक पाने के लिए उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। मीराबाई चानू को सोमवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने एएसपी बनाया है। इसके अलावा मणिपुर सरकार ने उन्हें एक करोड़ रुपये नकद इनाम देने का ऐलान भी किया है।

मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि 49 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीतने वाली इस ओलिंपियन के पास अब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेल) का पद होगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर सरकार ने जल्द ही राज्य में वर्ल्ड लेवल की वेटलिफ्टिंग एकेडमी स्थापित करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने भारत को टोक्यो ओलंपिक के दूसरे दिन 24 जुलाई को पहला मेडल दिलाया। उन्होंने 21 साल बाद ओलंपिक में भारत की तरफ से वेटलिफ्टिंग में मेडल जीता। उन्होंने 49 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। मणिपुर की 26 साल की चानू ने कुल 202 किग्रा (87 किग्रा द 115 किग्रा) का भार उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। टोक्यो ओलंपिक में मेडल जीतने वाली चानू का भारत वापसी पर भव्य स्वागत हो रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चामू को 2 करोड़ रुपये का नकद इनाम देने का ऐलान किया है। वो रेलवे में कर्मचारी है। रेल मंत्री ने उन्हें प्रमोशन देने की भी घोषणा की।

तोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक में पदक जीतने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार देगी एलपीयू

नई दिल्ली (एजेंसी)। जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी तोक्यो ओलंपिक और पैरालम्पिक विजेताओं को पुरस्कार देगी।पहलवान बजरंग पूनिया, भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, रिले धावक अमोज जैकब, पैरा हाई जंपर (ऊंची कूद) निषाद कुमार और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह समेत सात खिलाड़ी एलपीयू से हैं।नयी दिल्ली। जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने तोक्यो ओलंपिक और पैरालम्पिक में पदक जीतने वाले अपने छात्रों को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एलपीयू ने एक बयान में कहा ,'' यूनिवर्सिटी स्वर्ण पदक विजेता को 50 लाख, रजत पदक जीतने वाले को 25 और कांस्य पदक विजेता को 10 लाख रुपये देगी।'' इसने कहा ,''

तोक्यो में खेल रहे करीब दस प्रतिशत भारतीय ओलंपियन एलपीयू से हैं।'' पहलवान बजरंग पूनिया, भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, रिले धावक अमोज जैकब, पैरा हाई जंपर (ऊंची कूद) निषाद कुमार और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह समेत सात खिलाड़ी एलपीयू से हैं। तोक्यो पैरालम्पिक 24 अगस्त से पांच सितंबर के बीच होंगे।

केएल राहुल ने बताया, टेस्ट टीम से बाहर निकाले जाने के बाद क्या कुछ किया

डरहम (एजेंसी)। भारत के प्रतिभाशाली बल्लेबाज लोकेश राहुल का मानना है कि उन्होंने कभी भी असफलताओं को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि वे उनसे और मजबूत होकर उभरे और अब धैर्यपूर्वक भारत के लिए फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलने का इंतजार कर रहे हैं। राहुल ने अपना आखिरी टेस्ट 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। राहुल ने कहा कि उन्होंने इस समय का इस्तेमाल अपने खेल पर ध्यान देने के लिए किया है। डरहम में प्रैक्टिस मैच के दौरान शतकीय पारी खेलने वाले राहुल ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा, 'जब मुझे टीम से बाहर किया गया तो मैं कोचों के पास वापस गया और उन से चर्चा करके बहुत सारे वीडियो देखे। मेरे प्रदर्शन में जहां कमी थी, मैंने उसे ठीक करने का प्रयास किया।'

उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैंने कहा कि असफलताएं आपको मजबूत बनाती हैं। इससे आपको

ध्यान देने का मौका मिलता है। यह मेरे लिए अलग नहीं है, इसलिए मैं वास्तव में मौकों की प्रतीक्षा कर रहा हूं और शांत तथा अनुशासित रहने की कोशिश कर रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'मैंने गलतियां की हैं और मैंने उनसे सीखा है। मैं उससे मजबूत हुआ और फिर मुझे अच्छा मौका मिला। उम्मीद है कि मैं मैदान पर उतर कर टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करूंगा।' इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा राहुल ने काउंटी इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में न केवल शतक बनाया, बल्कि विकेटकीपर की भूमिका भी निभाई। उन्होंने कहा, 'सफेद जर्सी (टेस्ट मैच) में रन बनाना हमेशा अच्छा रहता है। मैंने काफी समय से टेस्ट मैच नहीं खेला था। ऐसे में यहां कुछ रन बनाना अच्छा रहा।' इस मैच में 101 रन बनाने वाले राहुल ने कहा, 'मेरे लिए धैर्य रखना और अपनी बारी का इंतजार करना महत्वपूर्ण है। मैं अपने खेल पर काम कर रहा हूं, इसलिए मैदान पर समय बिताना और कुछ रन बनाना अच्छा है।

कोरोना पॉजिटिव निकले क्रुणाल पांड्या, भारत-श्रीलंका के बीच दूसरा टी-20 मैच स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या कोरोना पॉजिटिव निकले हैं, जिसकी वजह से भारत और श्रीलंका के बीच मंगलवार को होने वाले दूसरे टी-20 मैच को स्थगित कर दिया गया है। फिलहाल भारत के सभी खिलाड़ी आइसोलेशन में हैं और अगर सभी का टेस्ट नेगेटिव आता है तो बुधवार को दूसरा टी-20 मैच खेला जाएगा। इस बात को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कंफर्म कर दिया है।

बोर्ड सचिव जय शाह ने कहा है कि, 'मंगलवार की सुबह मैच से पहले रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया गया, जिसमें क्रुणाल पांड्या की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेडिकल टीमों ने आठ सदस्यों की पहचान की है जो करीबी संपर्क में थे। पूरी टीम का आज आरटी-पीसीआर टेस्ट कराया गया, ताकि पता चल सके कि किसी और को भी संक्रमण तो नहीं है।' उन्होंने कहा, 'रिपोर्ट शाम को छह बजे तक आएगी और अगर सभी नेगेटिव पाए जाते हैं तो बुधवार को मैच होगा। करीबी संपर्क में रहे आठ व्यक्तियों में अधिकांश खिलाड़ी हैं और क्वारंटाइन में हैं।' क्रुणाल को कोरोना होने के बाद अब इस बात को लेकर कंफ्यूजन पैदा हो गई है कि क्या पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव जल्द इंग्लैंड रवाना होंगे या फिलहाल अभी श्रीलंका में ही रुकेंगे। इन दोनों खिलाड़ी को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया है। इसकी चर्चा पहले से हो रही थी, लेकिन सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस पर मुहर लगा दी।क्रुणाल ने पहले टी-20 में सिर्फ दो ओवरों की गेंदबाजी की थी और 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था।

कप्तान टेंबा बावुमा के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड के खिलाफ किया क्लीन स्वीप

बेलफास्ट (एजेंसी)। कप्तान टेंबा बावुमा, रीजा हेंड्रिक्स और डेविड मिलर की विस्फोटक पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे और निर्णायक टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को 49 रनों से हराकर 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने महज दो विकेट खोकर निर्धारित 20 ओवरों में 189 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में मेजबान आयरलैंड नौ विकेट गंवा कर 140 रन ही बना सका।

सलामी बल्लेबाजों बावुमा और हेंड्रिक्स ने दक्षिण अफ्रीका को अच्छी और मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 127 रनों की बड़ी साझेदारी की, जिसका टीम को अंत में काफी लाभ मिला। हेंड्रिक्स के आउट होने के बाद क्रीज पर आए मिलर ने सीरीज के पहले दो मुकाबलों की तरह आते ही ताबड़तोड़ तरीके से खेलना शुरू किया और टीम को 189 के स्कोर

तक पहुंचाया। बावुमा ने छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 गेंदों पर 72, हेंड्रिक्स ने सात चौकों और एक छक्के के सहारे 48 गेंदों पर 69 और मिलर ने चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 17 गेंदों प 36 रन की विस्फोटक पारी खेली।

बल्लेबाजी में कहर बरपाने के बाद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने आयरलैंड के बल्लेबाजों को नियंत्रण में रखा। गेंदबाजों ने नपी-तुली और किफायती गेंदबाजी की। जॉर्ज लिंडे, लिजार्ड विलियम्स और वियान मल्डर ने दो-दो और एंडिले फेहलुकवायो ने एक विकेट लिया। वहीं दूसरी ओर आयरलैंड की टीम गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी फ्लॉप रही। गेंदबाज जहां महंगे साबित हुए तो वहीं बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई।

गेंदबाजी में महज सिमी सिंह और बैरी मैकार्थी सफल रहे, जिन्हें एक-एक विकेट मिला, जबकि कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। उनके अलावा गेंदबाज क्रैग यंग ने 22 रन बनाए। मिलर को 17 गेंदों पर 36 रनों की आतिशी पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और पूरी सीरीज में 139 रन बनाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

हड़प्पा काल के शहर धोलावीरा को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में मिला स्थान, पीएम मोदी बोले- वहां अवश्य जाना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में हड़प्पा काल के शहर धोलावीरा को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के संगठन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तेलंगाना के वारंगल में पालमपेट स्थित रामप्पा मंदिर के बाद इस महीने विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया भारत का यह दूसरा स्थल है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने ट्वीट किया, ''धोलावीरा : भारत में, हड़प्पाकालीन शहर को विश्व धरोहर सूची में अभी-अभी शामिल किया गया।

बधाई हो!'' यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 44 वें सत्र के दौरान धोलावीरा और रामप्पा मंदिर को इस सूची में शामिल किया गया। गुजरात में अब चार विश्व धरोहर स्थल हो गये हैं-- धोलावीरा, पावागढ़ के निकट चंपानेर, पाटन में रानी की वाव और एतिहासिक शहर अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि वह इस खबर से बहुत खुश हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि धोलावीरा एक महत्वपूर्ण शहरी केंद्र था और यह हमारे अतीत के साथ एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण संपर्क है। मोदी ने ट्वीट किया, ''वहां अवश्य जाना चाहिए, विशेष रूप से इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व में रूचि रखने वालों को।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने विद्यार्थी जीवन में पहली बार धोलावीरा गया था और उस स्थल को देख कर मंत्रमुग्ध रह गया। गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर मुझे धोलावीरा में धरोहर स्थल संरक्षण और पुनःस्थापन कार्य से जुड़े पहलुओं पर काम करने का अवसर मिला था। हमारी टीम ने वहां पर्यटन हितैषी बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए भी काम किया था।'' विश्व धरोहर समिति के इस सत्र की अध्यक्षता चीन में फुझोऊ से की जा रही है और यह ऑनलाइन किया जा रहा है। यह 16 जुलाई को शुरू हुआ था और 31 जुलाई को संपनन होगा। मौजूदा सत्र में मौजूदा कार्यों और पिछले साल के लंबित रह गये मुद्दों पर काम किया जा रहा। पिछले साल कोविड-19 के कारण वार्षिक सत्र का आयोजन टाल दिया गया था। संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने एक ट्वीट में कहा, ''मुझे भारतवासियों से यह साझा करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि अब धोलावीरा के रूप में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची भारत का 40 वां स्थल शामिल हो गया है। '' उन्होंने कहा कि आज भारत के लिए, विशेष रूप से गुजरात के लिए गर्व का दिन है। मंत्री ने कहा, ''2014 से विश्व धरोहर सूची में भारत के 10 नये स्थान शामिल किये गये हैं जो हमारे ऐसे स्थलों का एक चौथाई हिस्सा है...।

पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद सिद्धू ने पहली बार अमरिंदर सिंह से की मुलाकात

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह से मुलाकात की है। इस दौरान नवजोत सिंह सिद्धू के साथ कार्यकारी अध्यक्ष कुलजीत नागरा, संगत सिंह गिलजियान, सुखविंदर सिंह डैनी और पवन गोयल भी मौजूद रहे। सिद्धू ने यह मुलाकात मुख्यमंत्री कार्यालय में की है। आपको बता दें कि पंजाब में अमरिंदर सिंह और सिद्धू के बीच विवाद चल रहा था लेकिन सिद्धू को अध्यक्ष बनाए जाने के बाद चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। यहां तक की सिद्धू ने जब अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली थी उस वक्त अमरिंदर सिंह ने पंजाब कांग्रेस कार्यालय पहुंच कर चल रहे विवादों को समाप्त कर दिया था।

समाचार एजेंसी के मुताबिक पंजाब कांग्रेस इकाई ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को पत्र लिखा है। जिसके माध्यम से 18 सूत्रीय एजेंडे पर ध्यान देने के लिए कहा गया है। इस पत्र में गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी और कोटकपूरा और बहबल कलां में पुलिस फायरिंग घटना, कृषि कानूनों समेत अनेक मुद्दों का उल्लेख करते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात के संबंध में नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट कर जानकारी दी। जिसमें उन्होंने लिखा कि पंजाब की जनता से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों पर फौरन कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। यह पंजाब के लाखों कार्यकर्ताओं की मांग है।

कर्नाटक में हर कोई बनना चाहता है मुख्यमंत्री, आलाकमान के फैसले का करेंगे पालनः आर अशोक

बेंगलुरू (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा के कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद यह सवाल सबसे ज्यादा अहम हो गया कि प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री किसे बनाया जाएगा ? फिलहाल भाजपा भी यही विचार कर रही है। माना जा रहा है कि लिंगायत समुदाय के किसी प्रभावशाली नेता को मुख्यमंत्री पद सौंपा जा सकता है। हालांकि अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है क्योंकि भाजपा अंतिम समय में नया नाम लाने में माहिर रही है।

इसी बीच राजस्व मंत्री आर अशोक का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि हर कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है। समाचार एजेंसी एएनआई के संवाददाता ने आर अशोक से संभावित मुख्यमंत्री को लेकर जब सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हर कोई आकांक्षी है, हर कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है। लेकिन एक ही मुख्यमंत्री होता है। इसलिए हम पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, बीएल संतोष के साथ-साथ आर अशोक का नाम भी संभावित मुख्यमंत्री के तौर पर चल रहा है। हालांकि किसको मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है अभी इस पर विचार हो रहा है। येदियुरप्पा मंत्रिमंडल में गृह मंत्री रहे बसवराज एस बोम्मई ने बताया कि एक निजी होटल में शाम सात बजे पार्टी विधायक दल की बैठक है। जहां पर अंतिम निणय्य लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि येदियुरप्प मंत्रिमंडल को भंग कर दिया गया है। आपको बता दें कि येदियुरप्पा के उत्तराधिकारी के चयन के लिए भाजपा ने धर्मेंद्र प्रधान और जी किशन रेड्डी को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में बेंगलुरु भेजा है।

विपक्षी एकजुटता की कोशिशों के बीच ममता बनर्जी ने कमलनाथ से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के साथ मुलाकात की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ममता बनर्ती और कमलनाथ के बीच यह मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली। इस दौरान कमलनाथ ने ममता बनर्जी को मध्य प्रदेश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया।आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर पद संभालने के बाद ममता बनर्जी का यह पहला दिल्ली दौरा है। जहां पर वह विपक्षी दलों के नेताओं के साथ मुलाकात करने वाली है। इस क्रम में उन्होंने कमलनाथ के साथ मुलाकात की है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी उनकी मुलाकात होने वाली है। 28 जुलाई को मिलने का कार्यक्रम है। इसी बीच मध्य प्रदेश कांग्रेस ने ममता बनर्जी और कमलनाथ की तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया। इस ट्वीट में लिखा गया कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी की आज दिल्ली में मुलाक़ात हुई। जिसमें ताज़ा राजनैतिक हालातों पर चर्चा की गई। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 की रणनीतियां बनाने में जुट चुकी है और सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टक्कर देने के लिए ममता बनर्जी विपक्षी दलों को मजबूत करने का प्रयास कर रही है।

असम-मिजोरम सीमा तनाव को देखते हुए सीआरपीएफ की 4 अतिरिक्त कंपनियां भेजी गईं : डीजी कुलदीप सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम-मिजोरम सीमा विवाद को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच स्थिति को संभालने के लिए सीआरपीएफ की 4 अतिरिक्त कंपनियों को भेजा गया है। आपको बता दें कि तनावग्रस्त इलाके में सीआरपीएफ की दो कंपनियां पहले से तैनात हैं। ऐसे में उनकी सहायता के लिए 4 और कंपनियों को भेजा गया है। इसी संबंध में सीआरपीएफ के डीजी कुलदीप सिंह का बयान सामने आया है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक सीआरपीएफ के डीजी कुलदीप सिंह ने बताया कि बीते दिन असम-मिजोरम सीमा पर तनाव बढ़ गया। लैलापुर गांव के पास मिजोरम पुलिस और असम पुलिस के विवादित सीमा क्षेत्र में दोनों बल अपने-अपने क्षेत्र के कब्जे को अवैध बोलकर आपस में? भिड़ गए। तनाव उस वक़्त चरम पर पहुंच गया जब दोनों पुलिस बलों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी शुरू की। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के हस्तक्षेप के बाद हिंसा को नियंत्रित किया गया। इस घटना में असम पुलिस के 5 कमिऱ्यों की मौत हुई है और कछार

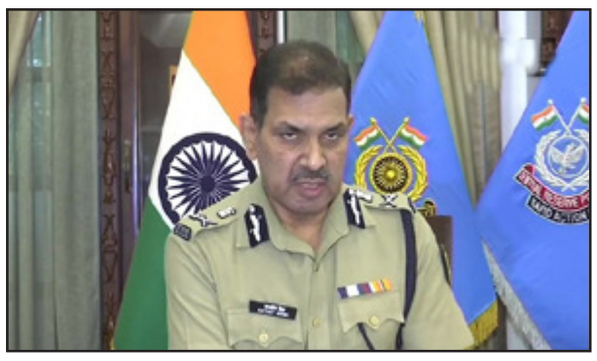

के पुलिस अधीक्षक स?हित 50 से ज़्यादा लोगों के जख्मी बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि असम पुलिस विवादित क्षेत्र से पीछे हट गई है लेकिन मिजोरम पुलिस अभी नजदीकी ऊंचाइऱ्यों और अपनी अस्थायी पोस्ट पर कब्ज़ा बनाए हुए है।

उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ की अतिरिक्त 4 कंपनियों को ?विवादित क्षेत्र पर निष्पक्ष बल के तौर पर नियंत्रण करने के लिए रवाना कर दिया गया है, 2 कंपनियां पहले से मौजूद थीं। गौरतलब है कि हिंसा के बाद दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच में ट्विटर युद्ध शुरू हो गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि उन्होंने मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा से बात की है और उनकी पुलिस शांति बनाए रखेगी। वहीं, दूसरी तरफ जोरामथांगा ने असम पुलिस पर लाठीचार्ज करने और आंसू गैस के गोले छोड़ने के आरोप लगाए। जबकि असम की पुलिस ने दावा किया कि मिज़ोरम से बड़ी संख्या में 'बदमाशों' ने पथराव किया और असम सरकार के अधिकारियों पर हमला किया। विवाद को बढ़ता देख गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की और विवादित सीमा पर शांति सुनिश्चित करने और सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने का आग्रह किया।

विपक्षी एकजुटता की कोशिशों के बीच ममता बनर्जी ने कमलनाथ से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के साथ मुलाकात की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ममता बनर्ती और कमलनाथ के बीच यह मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली। इस दौरान कमलनाथ ने ममता बनर्जी को मध्य प्रदेश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर पद संभालने के बाद ममता बनर्जी का यह पहला दिल्ली दौरा है। जहां पर वह विपक्षी दलों के नेताओं के साथ मुलाकात करने वाली है। इस क्रम में उन्होंने कमलनाथ के साथ मुलाकात की है।

तेजस्वी का बिहार सरकार पर निशाना, कहा-

कुछ लोग विधानसभा को अपनी जागीर समझ रखे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा का मानसून सत्र जारी है। विपक्ष लगातार सदन की कार्यवाही के दौरान विधायकों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर कार्रवाई की मांग कर रहा है। विपक्ष का विधानसभा में हंगामा जारी है। इन सब के बीच विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान किया है। तेजस्वी यादव ने साफ तौर पर कह दिया है कि अगर हमारी मांगों पर चर्चा नहीं हुई तो हम लोग सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे। न्यूज़ एजेंसी एनआईए के मुताबिक तेजस्वी यादव ने कहा कि हम सब लोग चाहते हैं कि सदन चले। हमने कल लिखित में भी नियमावली का हवाला देते हुए प्रस्ताव का मौका रखने का मौका मांगा, जो आज सदन में अस्वीकृत किया गया कि

आप ऐसे ही बोल लीजिए। विपक्ष के सभी लोग मांग कर रहे हैं कि बहस होनी चाहिए।

जहां कुछ लोग विधानसभा को अपनी जागीर समझ रखे हैं, जिन्होंने लोकतंत्र की हत्या की है। जब तक उनपर कार्रवाई नहीं होती और जब तक हमें बहस का मौका नहीं मिलता तब तक पूरे विपक्षी दल के लोग इस सत्र में बहिष्कार करेंगे और सदन नहीं जाएंगे। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि जहां कुछ लोग विधानसभा को अपनी जागीर समझ रखे हैं, जिन्होंने लोकतंत्र की हत्या की है। जब तक उनपर कार्रवाई नहीं होती और जब तक हमें बहस का मौका नहीं मिलता तब तक पूरे विपक्षी दल के लोग इस सत्र में बहिष्कार करेंगे और सदन नहीं जाएंगे। इससे पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार में निर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मान पर उच्चस्तरीय नौकरशाही हमला कर रही है, जिसे नीतीश कुमार सरकार ने खुली छूट दी हुई है। उन्होंने राजद के नेतृत्व वाले पांच दलों के महागठबंधन के सभी विधायकों की बैठक की अध्यक्षता करने के तुरंत बाद मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। विपक्ष के नेता ने कहा, यह शर्मनाक है कि भगत सिंह की शहादत के लिए याद की जाने वाली तारीख पर सदन के माननीय सदस्यों को पुलिस कमिऱ्यों ने जूते से मारा और महिला विधायकों को शारीरिक रूप से घसीटा। यादव 23 मार्च की उस घटना का जिक्र कर रहे थे जब विपक्षी विधायकों ने विशेष सशस्त्र पुलिस को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक विधेयक के विरोध में विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा को उनके कक्ष के अंदर बंधक बना लिया था। महागठबंधन ने इसे काला कानून बताया था। जब यह लग रहा था कि मार्शल स्थिति को संभाल नहीं पा रहे तो पुलिस को बुलाया गया और कार्यवाही शुरू होने से पहले अनियंत्रित विधायकों को घसीटकर बाहर कर दिया गया।

टीएस सिंहदेव विवाद में रमन सिंह ने ली चुटकी, बोले- 2.5 साल आते-आते पूरी तरह से बिखर गई बघेल सरकार

रायपुर (एजेंसी)। क्या छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार में सबकुछ ठीक चल रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने सदन की कार्यवाही में शामिल होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक प्रदेश सरकार विधायक द्वारा लगाए गए आरोपों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे देती है तब तक वह सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं होंगे।

दरअसल, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव और कांग्रेस विधायक बृहस्पत सिंह के बीच में कथित विवाद को लेकर बहस हो गई थी। जिसके बाद टीएस सिंहदेव सदन से उठकर चले गए। अब इस मामले में भाजपा की प्रतिक्रिया सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि 2.5 साल आते आते छत्तीसगढ़ सरकार पूरी तरह बिखर चुकी है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा कि 2.5 साल आते आते छत्तीसगढ़ सरकार पूरी तरह बिखर चुकी है। आज देखने को मिला की सरकार का मंत्री (टी.एस. सिंहदेव) सरकार के प्रति अविश्वास प्रकट करता है और कहता है कि जब तक मुझे संतोषजनक जवाब नहीं मिलेगा तब तक मैं विधानसभा में कदम नहीं रखूंगा। उन्होंने आगे कहा कि जब मंत्री का भरोसा सरकार से उठ गया है तब छत्तीसगढ़ की 2.7 करोड़ ज़नता क्यों भरोसा करेगी। गौरतलब है कि कांग्रेस विधायक बृहस्पति सिंह ने आरोप लगाया था कि टीएस सिंहदेव के इशारे पर उनके काफिले के एक वाहन पर कथित तौर पर हमला किया गया और मंत्री से उनकी जान को खतरा है। इसी मामले को लेकर सदन में हंगामा हुआ।

सीमावर्ती क्षेत्र पर तालिबानियों के कब्जा करने वाली रिपोर्टिंग करने के बाद 4 अफगान पत्रकार गिरफ्तार

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा हाल ही में अपने कब्जे में लिए गए एक सीमावर्ती क्षेत्र की रिपोर्टिंग करने के बाद कंधार शहर लौटने के उपरांत चार अफगान पत्रकारों को देश की खुफिया एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया। एक अफगान प्रेस स्वतंत्रता समूह ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चारों ने तालिबान कमांडरों का साक्षात्कार लेने के लिए स्पिन बोल्डाक की यात्रा की थी, जब उग्रवादियों ने पाकिस्तान से सटे एक सीमावर्ती क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता का कहना है कि चारों पर तालिबान के दुष्प्रचार को प्रसारित करने का आरोप है।

'नाई' नामक अफगान मीडिया निगरानी संगठन ने कहा कि वे सोमवार को कंधार लौट आए और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया। नाई ने कहा कि मंगलवार को पत्रकारों के ठिकाने का पता नहीं चला। संगठन ने बताया कि तीन रिपोर्टर-बसीमुल्लाह वतनदोस्त, कुदरत सुल्तानी और मोहेब ओबैदी स्थानीय रेडियो स्टेशन मेल्लत झाग के लिए काम करते हैं। चौथे सनाउल्लाह सियाम हैं, जो शिन्हुआ समाचार एजेंसी के कैमरामैन हैं। कतर में स्थित विद्रोहियों के राजनीतिक कार्यालय के साथ तालिबान के प्रवक्ता मोहम्मद नईम ने अफगान प्रशासन द्वारा की गई गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि चारों केवल अपना काम कर रहे थे, घटनाओं को कवर करने और तथ्यों को सामने लाने की कोशिश कर रहे थे। नाई ने कहा कि गिरफ्तारी अवैध है और पत्रकारों की तत्काल रिहाई की मांग की। मंगलवार को बाद में, अफगान गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मीरवाइज स्टैनिकजई ने कहा कि चारों पर दुश्मन के दुष्प्रचार को फैलाने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि काबुल सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन आगाह किया कि उसे देश के संविधान और कानूनों का पालन करना होगा। स्टैनिकजई ने कहा, आतंकवादियों और दुश्मन को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ अफगानिस्तान के राष्ट्रीय हित के खिलाफ किसी भी तरह के प्रचार को अपराध के रूप में गिना जाएगा। गौरतलब है कि रिपोर्टरों को अफगानिस्तान में अत्यंत कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है और अक्सर उन्हें हिंसा, खतरों और धमकियों का सामना करता पड़ता है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब मिलकर काम करने पर सहमत हुए, आपसी रिश्तों को देंगे बढ़ावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब मंगलवार को दोनों क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। साथ में, उन्होंने अपने आर्थिक संबंधों में और सुधार करने तथा अपने आपसी रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए नए क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने का फैसला किया। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की सऊदी अरब के उनके समकक्ष शहज़ादा फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ हुई बैठक में उक्त सहमति बनी है। शहज़ादा फैसल ने कुरैशी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ङ्घहम रिश्ते के आर्थिक पक्ष और निवेश के पारंपरिक क्षेत्रों से परे इसे विस्तारित करने के मौकों पर बहुत ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं।ङ्घ शहज़ादा फैसल एक दिन की इस्लामाबाद की यात्रा पर आए हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी-पाकिस्तान सवीच्च समन्वय परिषद (एसपी-एससी सी) की स्थापना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नए स्तरों पर ले जाने के लिए एक अहम माध्यम है।

प्रधानमंत्री इमरान खान की मई में सऊदी अरब की यात्रा के दौरान एसपी-एससीसी की स्थापना की गई थी और वह वलीअहद (क्राउन प्रिंस) मोहम्मद बिन सलमान के साथ परिषद के सह-अध्यक्ष हैं। सऊदी विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश अपने व्यापारिक समुदायों को आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए जल्दी-जल्दी बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और स्थिरता आर्थिक समृद्धि की कुंजी है और दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। शहज़ादा फैसल ने कहा, ङ्घहम क्षेत्रीय मुद्दों पर काम करने पर सहमत हुए हैं, चाहे वह कश्मीर हो, फलस्तीन हो या यमन। हम अपने दोनों क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।ङ्घ कुरैशी ने कहा कि बातचीत मुख्य रूप से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही।कुरैशी ने कहा कि सऊदी अरब के पास 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत एसईजेड में निवेश करने का बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान संस्कृति, सूचना, मीडिया, मनोरंजन और खेल के क्षेत्रों में सऊदी अरब के साथ रिश्तों का विस्तार करना चाहता है। कुरैशी ने पेरिस स्थित वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) में पाकिस्तान का समर्थन करने और जम्मू-कश्मीर पर इस्लामिक सहयोग संपर्क समूह संगठन में अपनी भूमिका निभाने के लिए सऊदी अरब का आभार जताया।

भारत ही नहीं दुनियाभर में पेगासस को लेकर मचा बवाल, इजराइली रक्षा मंत्री करेंगे फ्रांसीसी रक्षा मंत्री से चर्चा

यरुशलम (एजेंसी)। इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गैट्जइस सप्ताह पेरिस में अपनी फ्रांसीसी समकक्ष से मुलाकात करेंगे और दोनों इजराइली स्पाइवेयर कंपनी 'एनएसओ' पर चर्चा करेंगे। मंगलवार को एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि गैट्ज़ बुधवार को फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली के साथ बैठक के लिए यात्रा करेंगे। दोनों रक्षा मंत्री लेबनान संकट और विश्व शक्तियों और ईरान के बीच परमाणु वार्ता पर चर्चा करेंगे। पिछले हफ्ते, एक फ्रांसीसी समाचार पत्र ने अपनी खबर में बताया था कि मोरक्को की सुरक्षा एजेंसी ने संभवतः फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांसीसी सरकार के अन्य सदस्यों के सेलफोन को निशाना बनाया था।